रंगमोहल उतर दिशा की शोभा

लाल चबूतरा, ताड़ वन, बड़ों वन, मधु वन, महा वन, केल मूल

- लाल चबूतरा
- बड़ों वन
- मधु वन
- महा वन
- ताड़ वन
- केल मूल

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

- **लाल चबूतरा** – 1 भोम , 1200 मंदिर x 30 मंदिर
  - गिलम - 40 , 30 मंदिर x 30 मंदिर
  - सिडियां – 40
- **बड़ों वन** – 1200 मंदिर x 1200 मंदिर, 41 वृक्ष की 41 हारें
  - 1 भोम के बड़ों वन के वृक्ष
    - 1 भोम रंगमहाल के 10 भोम के बराबर
    - 41 वृक्ष की 16 हारें (1200 मंदिरx 480 मंदिर)
  - 250 भोम के बड़ों वन के वृक्ष
    - 41 वृक्ष की 25 हारें (1200 मंदिरx 750 मंदिर)
  - अखाड़ा/चोक – 30 मंदिर x 30 मंदिर
  - हिंडोला – 4 पर अखाड़े / चोक
  - चांदनी - (1200 मंदिरx 510 मंदिर)
  - चांदनी के चहबच्चे
  - सिडिया (1 मंदिर के बड़े वने के थड़ में) & छज्जा (5 हाथ each भोम)
- **मधु वन** - 500 भोम
  - बगीचे, नहेरें, फुवारे , हिंडोले
- **महा वन** - 1000 भोम
  - बगीचे, नहेरें, फुवारे , हिंडोले
- **ताड़ वन** – 300 मंदिर x 510 मंदिर
  - बगीचा– 170
    - 30 मंदिर x 30 मंदिर
    - 10 हांस x 17 हांस
    - 169 बगीचा
    - खड़ोकली
    - नहेरें (0.5 m) & रोंस (0.25 m)
    - 31 वृक्ष x 31 हारें
      - ताड के वृक्ष – 120
        - 1 भोम - रंगमहाल के 10 भोम के बराबर
        - 1 मंदिर के दूरी पर
        - नहेर के अंदर की किनार पर
        - बड़े हिंडोले –10 भोम ऊंचे, नहेर पर , 1 per नहेर – बीचमें
      - अन्य/मेवे के वृक्ष
        - 10 भोम
        - 1 मंदिर के दूरी पर
        - 29 वृक्ष की 29 हारें
        - छोटे हिंडोले हरेक भोम में
- **केल का मूल**
  - 10 भोम के बड़ों वन के वृक्ष

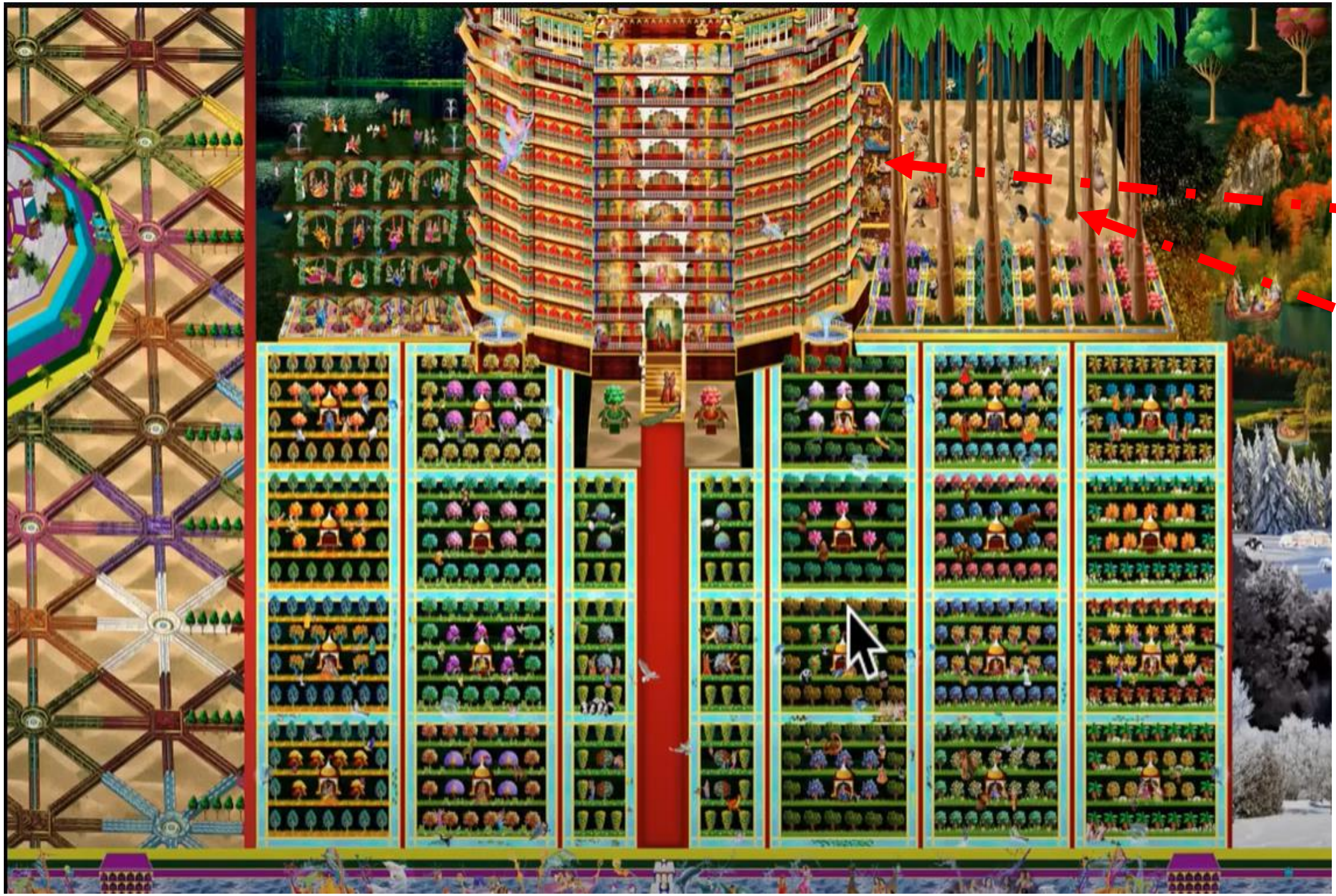

परमधाम विहार

कृष्ण पक्ष (वद)	
छठ	लाल चबूतरा
सातम	बड़ों वन, मधु वन, महा वन

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा –लाल चबूतरा, ताड़ वन, बड़ों वन , मधु वन, महा वन , केल मूल

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा–लाल चबूतरा, ताड़ वन, बड़ों वन , मधु वन, महा वन , केल मूल

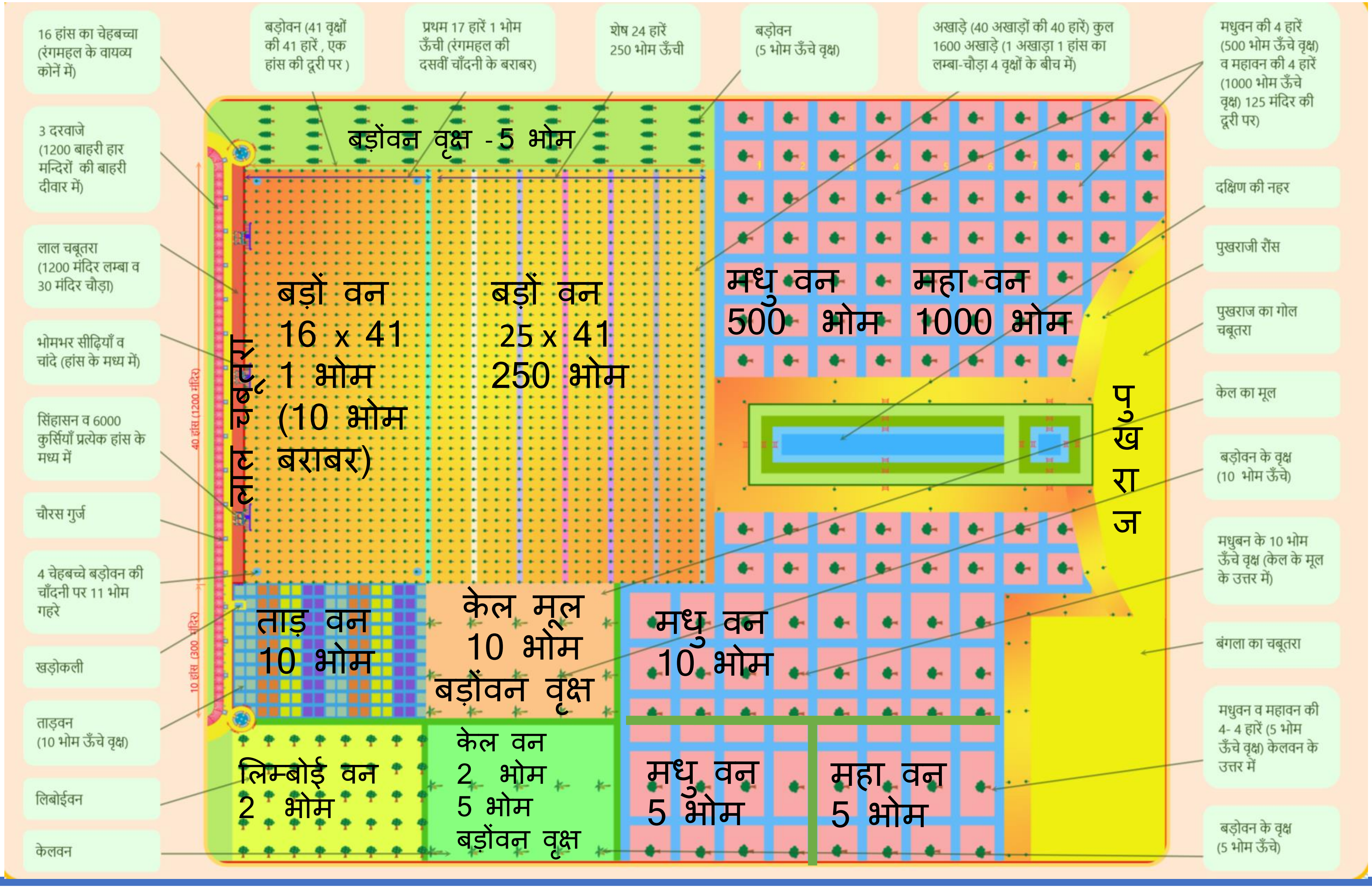

लाल चबूतरा & बड़ों वन की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

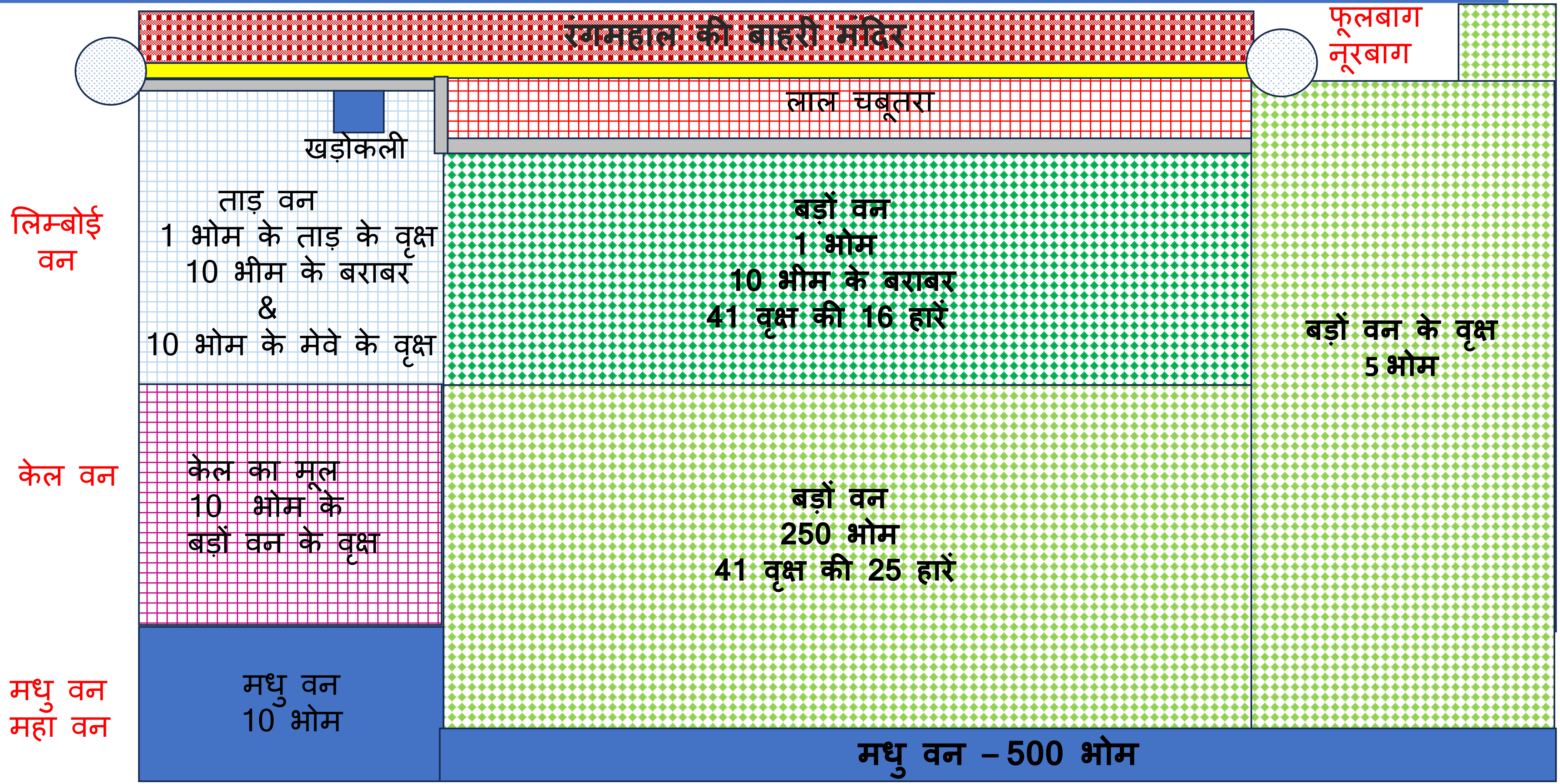

लाल चबूतरा

- 1 भोम पर , 40 हांस लंबा
- 1200 मंदिर x 30 मंदिर
- गिलम - 40
  - 30 मंदिर x 30 मंदिर
- चांदे , सिडिया – 40,
  - भोम पर से
  - 1 पर हांस

इन चालीस हांस में, है चालीस सिंघासन ।
एह जवेर जुगत जडाव ज्यों, सो झलकत नूर रोशन ।।
कहूं ऊपर छत्र है, कोउ खुले कोउ ढपिल ।
हक हादी रूहें बैठत, इत देखत खिलौने मिल ।।
कई गदेले कुरसियां, कई बैठन ठौर अनेक ।
शोभा सिफत इनकी, ए तो हिसाब बाहिर नेक ।।
हर हांस कठेड़ा बना, द्वार बन्या दरम्यान ।
ए गुरज मुकाबिल दरखत, द्वार आगे एक चौतरी जान ।।
ताके दाएं बाएं सीढ़ियां, गिनती बीस सुमार ।
तहां से तले जिमीअ के, उतर कीजे बिहार ।।
यों ही चालीस हांसो, कठेड़े उतरता चबूतरा ।
तहां से सीढ़ियां उतरती, इन शोभा अति करार ।।

अब कहूं लाल चबूतरा, चालीस हांस मरजाद ।
एह लाल मानक की, सो बका भोम बुनियाद ।।

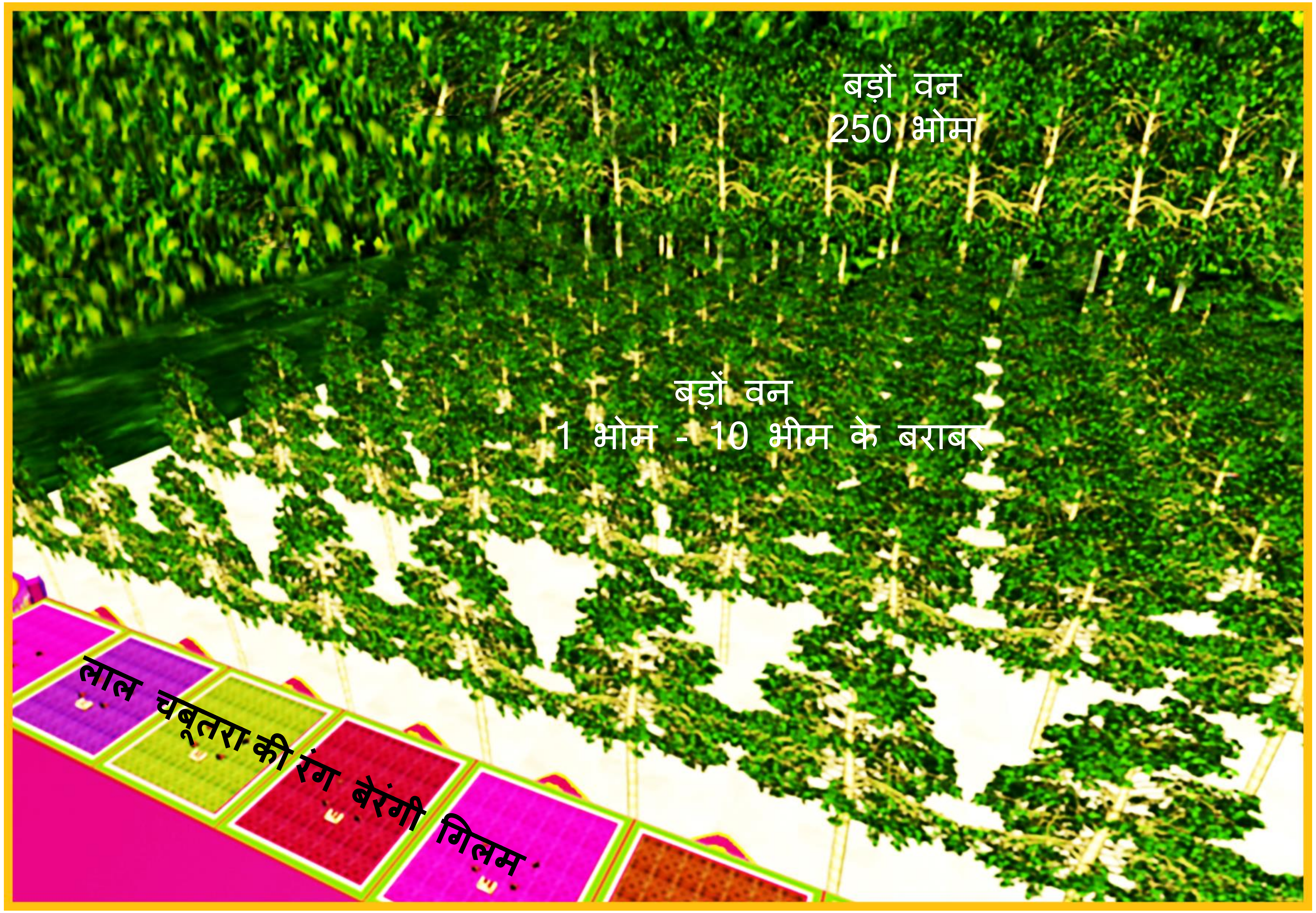
बड़ों वन
250 भोम
बड़ों वन
1 भोम - 10 भीम के बराबर
लाल चबूतरा की रंग बेरंगी गिलम

लाल चबूतरा & बड़ों वन की शोभा

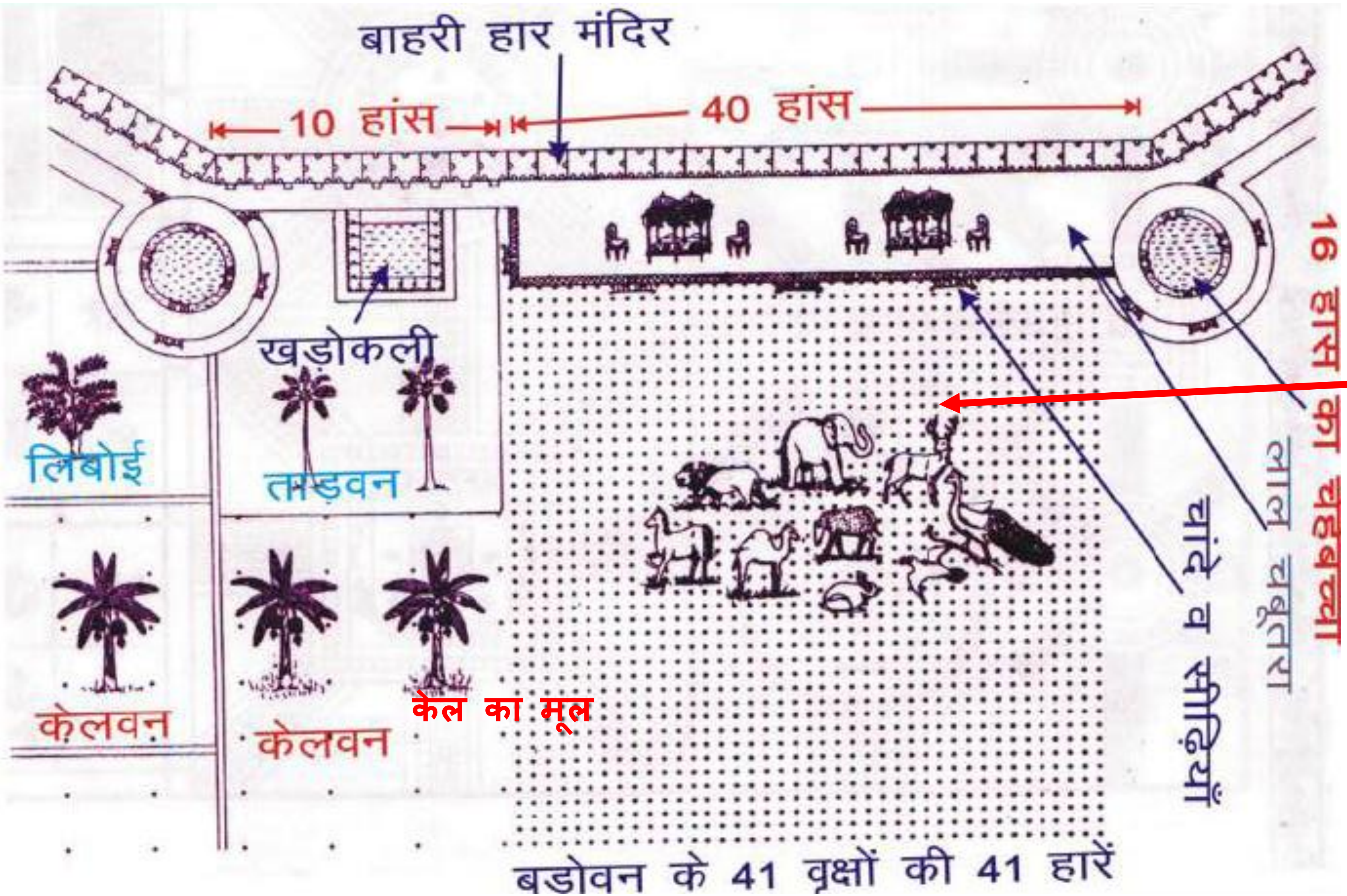

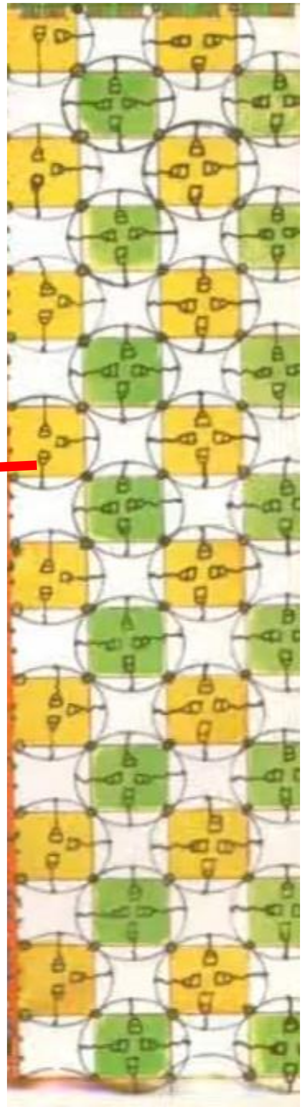

बड़े वन के
बड़े हिंडोले
4 per चोक
10 भोम पर से

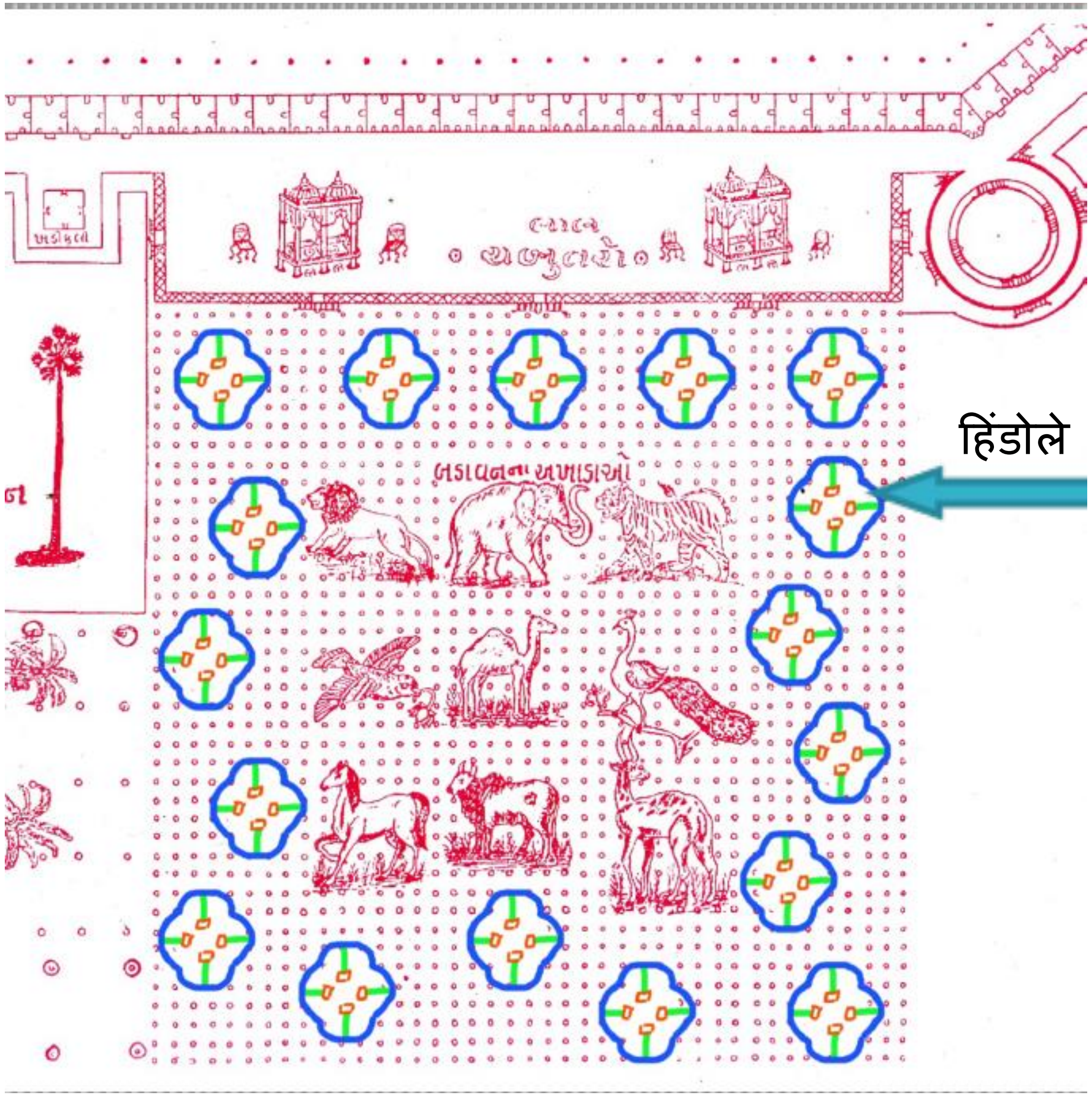
हिंडोले

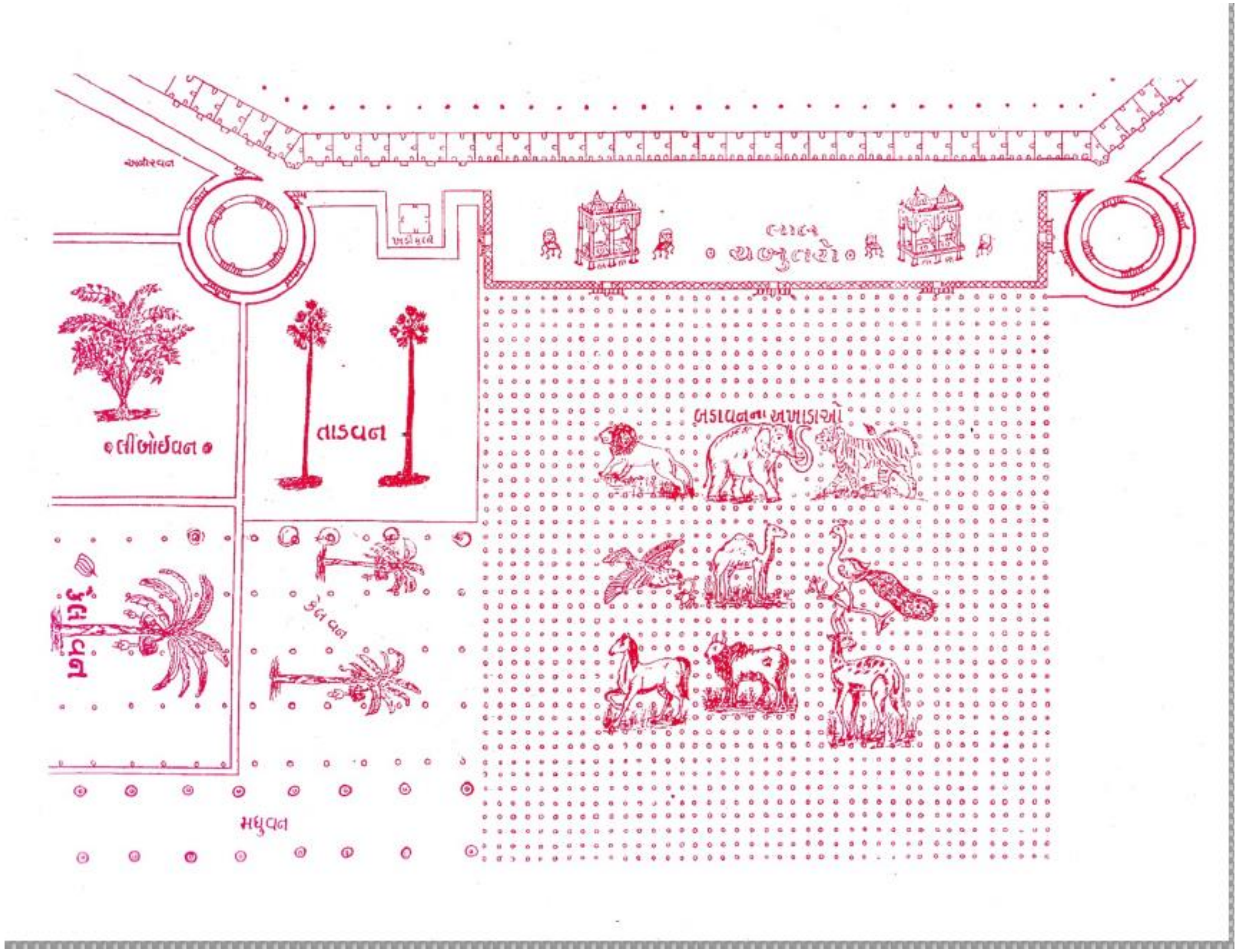

लाल चबूतरा & बड़ों वन की शोभा

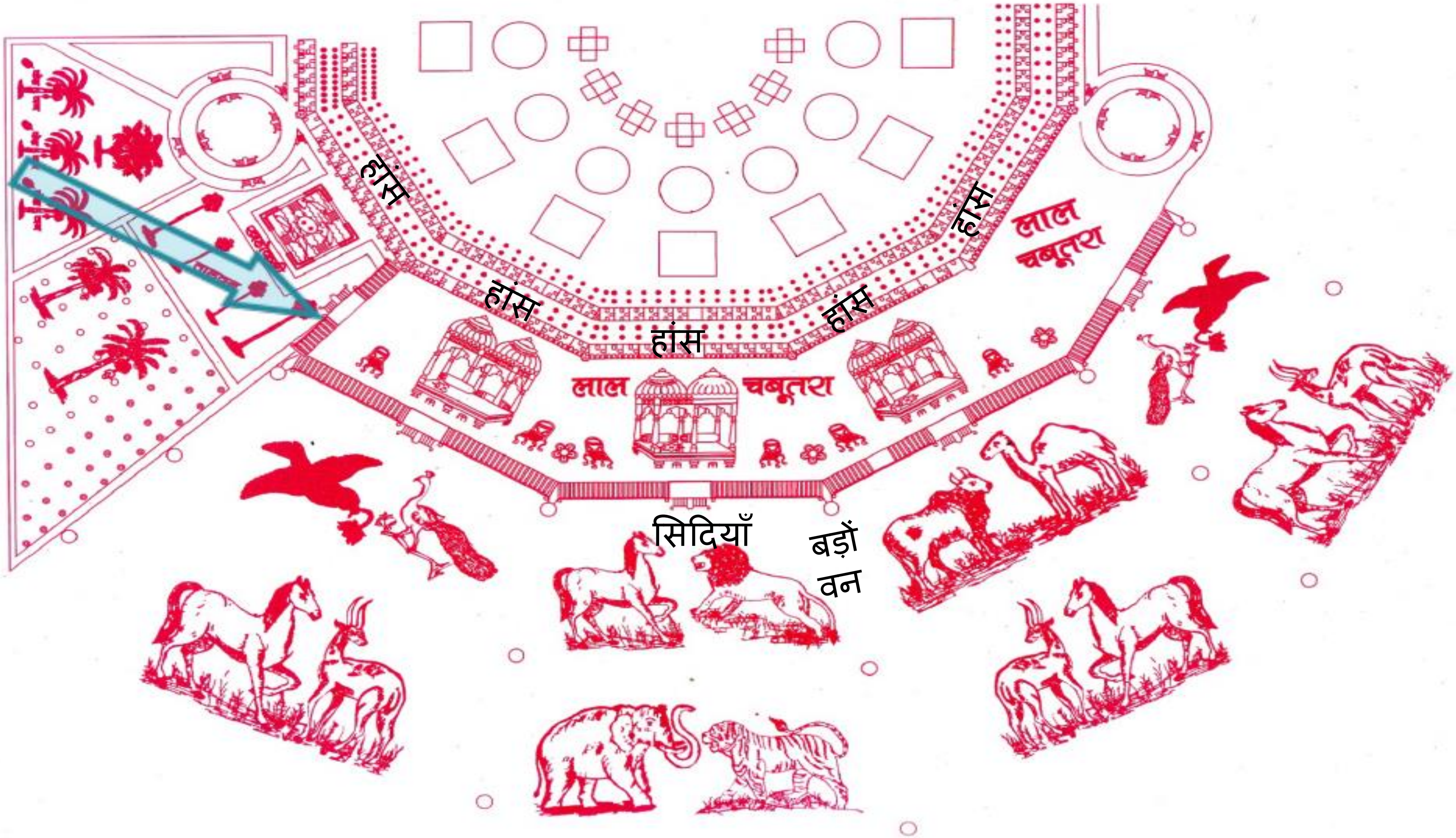

1 भोम बड़ों वन के वृक्ष की शोभा

बड़ों वन

- 1200 मंदिर x 1200 मंदिर
- 41 वृक्ष की 41 हारें
- 1 भोम के बड़ों वन के वृक्ष
  - रंगमहाल के 10 भोम के बराबर
  - 41 वृक्ष की 16 हारें
    - 1200 मंदिरx 480 मंदिर
- 250 भोम के बड़ों वन के वृक्ष
  - 41 वृक्ष की 25 हारें
    - 1200 मंदिरx 750 मंदिर
- अखाड़ा/चोक – 30 मंदिर x 30 मंदिर
- हिंडोला – 4 पर अखाड़े / चोक
- 10 भोम चांदनी
  - 1 भोम के बड़ों वन के वृक्ष
  - 1200 मंदिरx 510 मंदिर
  - चांदनी के चहबच्चे
- सिडिया (1 मंदिर के बड़े वने के थड़ में)
- छज्जा (5 हाथ each भोम)

बड़ों वन के चोक/अखाड़े की शोभा

इन भोम तरे लगते, बने एकतालीस दरखत ।
लगत दरखत कठेड़ा, किनार चबूतरे इत ।।

ए एकतालिस दरखत, जाए लगे चांदनी धाम ।
हक हादी रमन को, रूहों के पूरे मनोरथ काम ।।

वन की चाँदनी के हिस्से , पातों पात मिले नूर ।
मानो दुलीचा बिछाया , सो कह्यो न जाय जहूर ।।

1 भोम बड़ों वन के वृक्ष की चादनी & छहबच्चे

ए एकतालिस दरखत, जाए लगे चांदनी धाम ।
हक हादी रमन को, रूहों के पूरे मनोरथ काम ॥

1 भोम बड़ों वन के वृक्ष की सीडियाँ & छज्जे

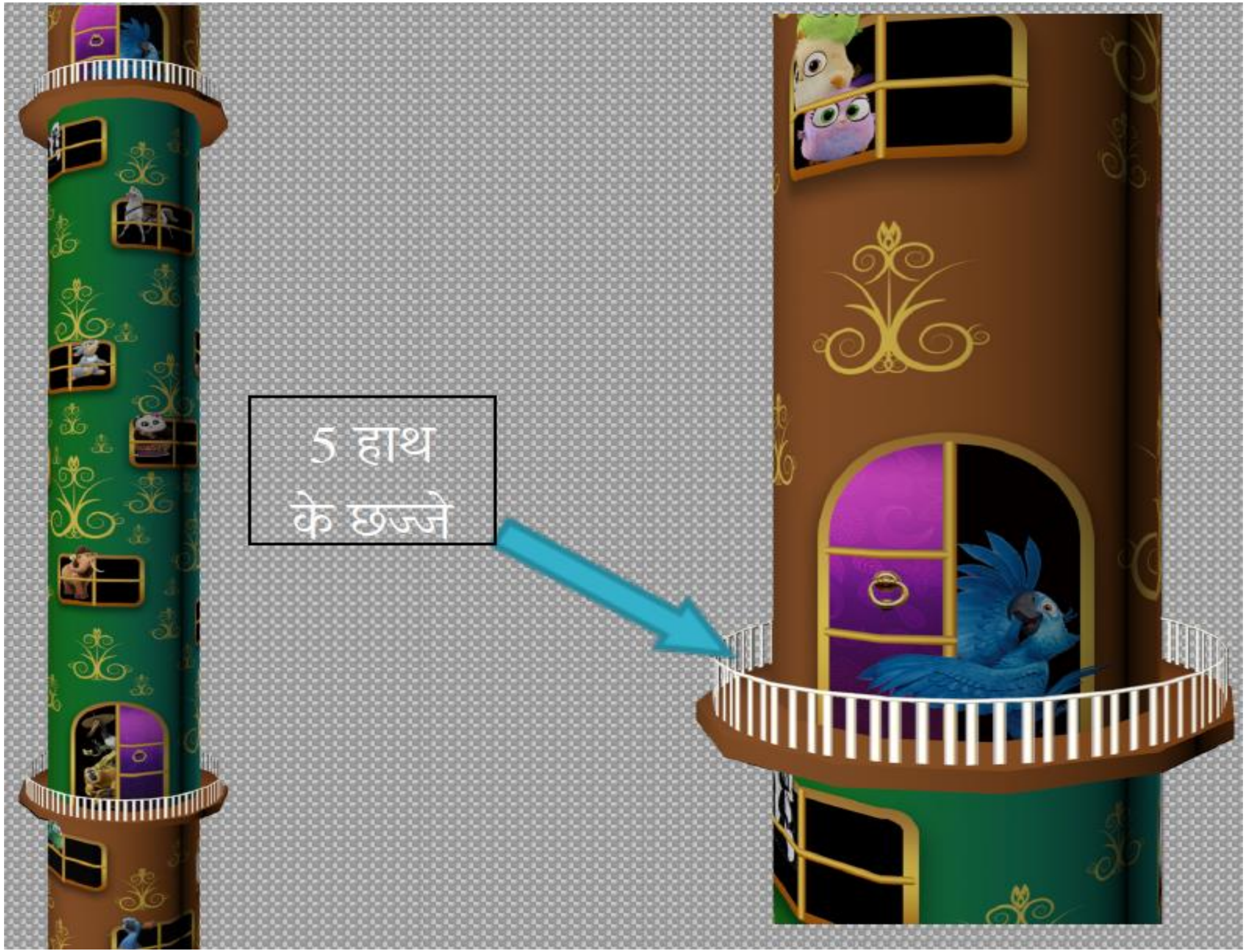

1 भोम बड़ों वन के वृक्ष की सीडियाँ & छज्जे

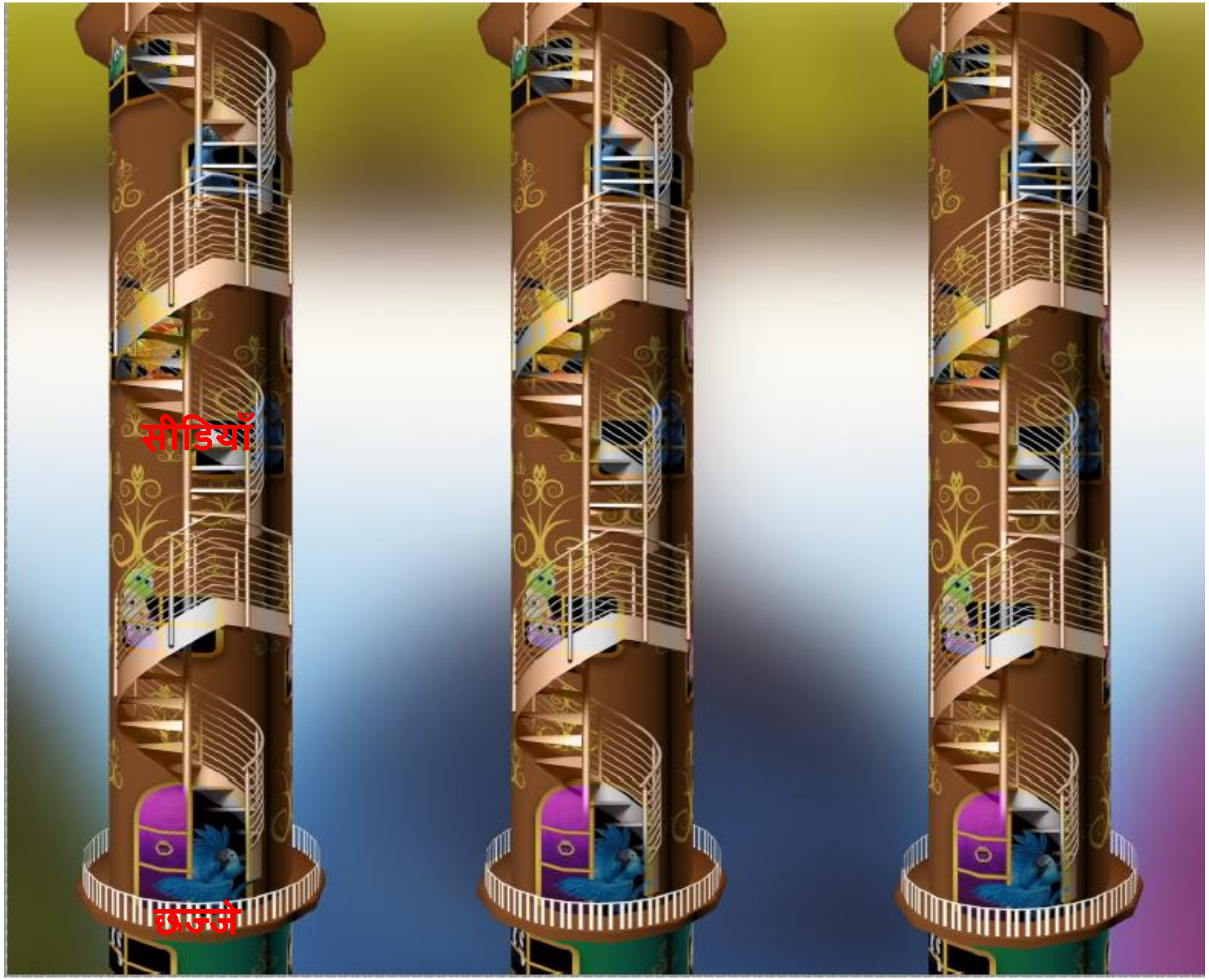

कई सुख ऊपर बैठक के, कई सुख दरखतों छात ।
कई सुख तले बड़े बिरिख के, झूमत हैं ऊपर मोहोलात ||७७||

क्यों कहूं इन सुखकी, जो इन मेले में बसत ।
ए सोई रूहें जानहीं, जो इन हक की सोहोबत ॥२२॥

ऊपर तमाम चबूतरे, बिछाया है दुलीच ।
दोऊ तरफों बैठी रूहें, हक हादी सिंघासन बीच ॥८॥
बैठे तिन सिंघासन, हक अपना मिलावा ले ।
इन अंग की अकलें, क्यों कहूं खूबी ए ॥९॥
बैठे जुगल किसोर, ऊपर दोऊ के छत्र ।
आगे जिकर करें कई विधसों, और बजावें बाजंत्र ॥१०॥
आवत मोहोलें मुजरे, इतका जो लसकर ।
ताके एक बाल के नूरसों, रही भराए जिमी अंबर ॥११॥
देखावत रूहन को, पसु पंखी लराए ।
हँसत हक अरवाहों सों, नए नए खेल खेलाए ॥१२॥

आप अपनी मरजादा, खड़े रहे जानवर ।
नेक तो मैं कहूं, सो मोमिनों की खातर ॥

जो सुख लाल चबूतरे , लेत मोहोला बड़े पसुअन ।
ऐ बैठक सुख क्यों कहूँ , ए सुख जानें अर्श के तन ।।
हर खाँचे जातें जुदी जुदी , आप अपनी विद्या खेलत ।
गाएँ नाचें जिकर करें , हर भांते रूहों रिझावत ।।

हाथी बाघ चीते सियाहगोस, खेलें मिलें आतम नहीं रोस।
हंस गरूड़ पंखी कई जात , नाम लेऊँ केते कै भांत ।।

खरगोश एक जवेर का , चले रूह के मन सों ।
बड़ा फील लड़े अर्स का , कहो कौन जीते इनमों ।।

इत हक हादी रूहें, बैठत सिंघासन ।
बड़े जानवरों का, लेत मुजरा रोशन ॥

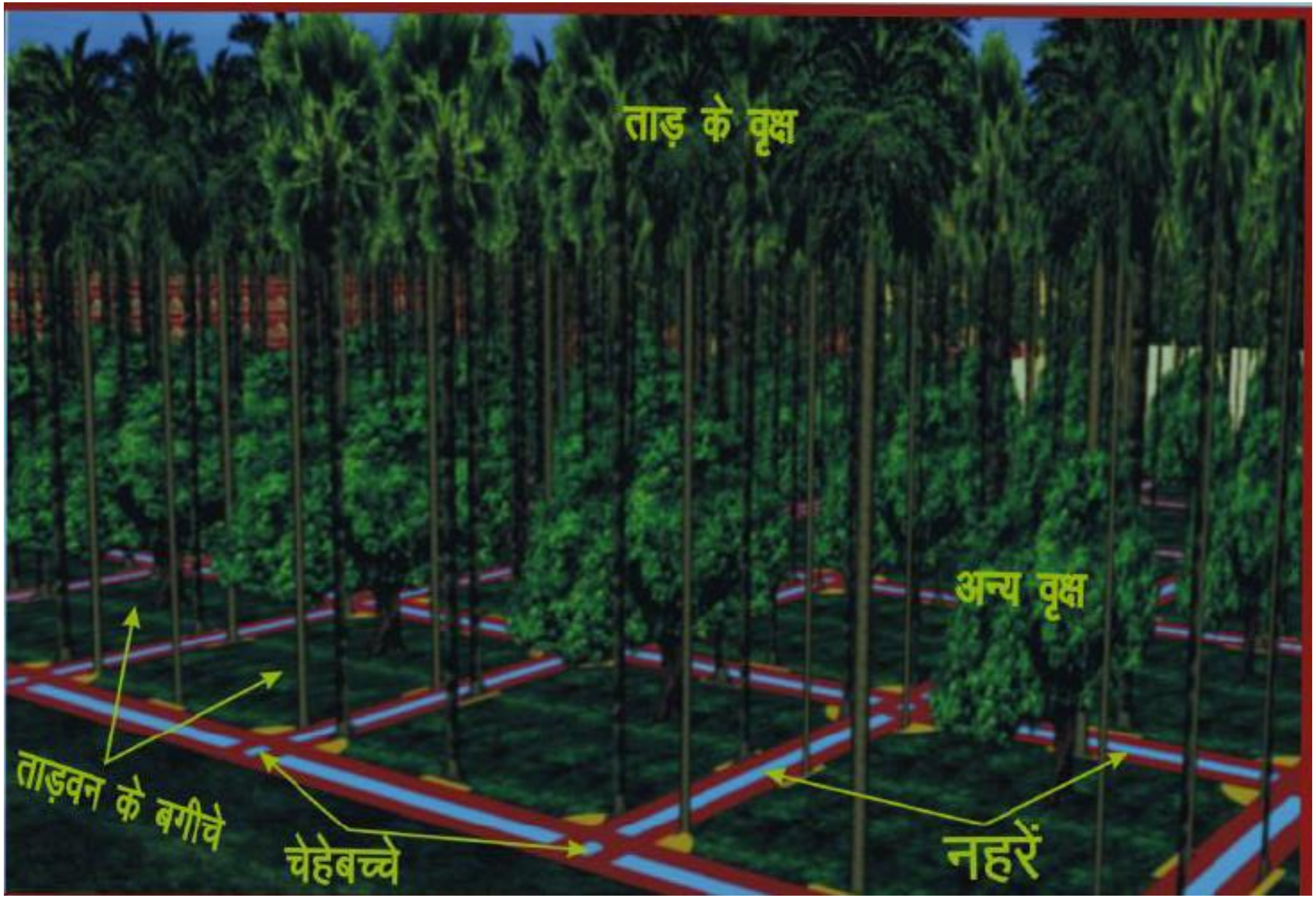

ताड़ वन

300 मंदिर x 510 मंदिर

- 10 हांस x 17 हांस
- बगीचा– 170
  - 30 मंदिर x 30 मंदिर
  - 169 बगीचा
  - खड़ोकली
  - नहरें (0.5 m) & रोंस (0.25 m)
  - 31 वृक्ष x 31 हारें
    - ताड के वृक्ष – 120
      - 1 भोम - रंगमहाल के 10 भोम के बराबर
      - 1 मंदिर के दूरी पर
      - नहर के अंदर की किनार पर
      - बड़े हिंडोले –10 भोम ऊंचे, नहेर पर , 1 per नहेर – बीचमें
    - अन्य/मेवे के वृक्ष
      - 10 भोम
      - 1 मंदिर के दूरी पर
      - 29 वृक्ष की 29 हारें
      - छोटे हिंडोले हरेक भोम में

रंगमहाल के बाहरी मंदिर
लाल चबूतरा
खड़ोकली
बड़ों वन
ताड़ वन

कई वन हैं इत ताड़ के , कई खजूरी नारियर ।
और नाम केते लेऊँ , बट पीपर सर ऊमर ।।

ताड़ वन की शोभा

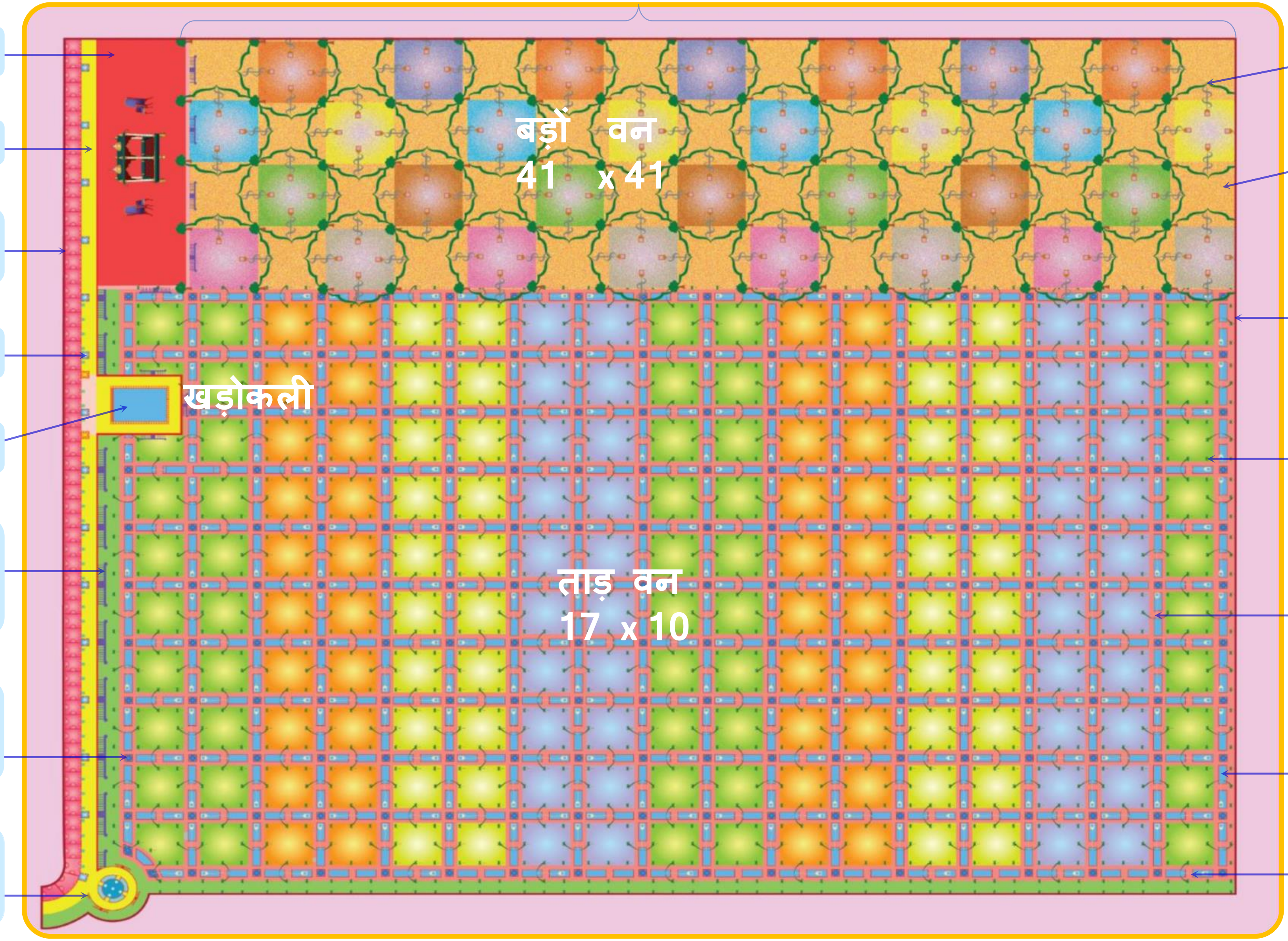

लाल चबूतरा

धामर सों

6000 मोंदिरो कीबाहरी हार

च रस गुर्ज

खड़ोकली

भोमभरसीदियाँवि चाँ (धामर सोंसे, ताड़ेवनके बगीचोंके मध्यमें)

चेहबच्चे (बगीचेके चारो में) भोमभर गहरेकोमेफव्वारे

16 हांस का चहबच्चा

द डोलें (वृक् की मेंहराबोंोो ोंमें)

बड़ोवन के अखाड़े

ताड़वन के 170 बगीचे (17 बगीचो ोंकी हारें,,10एक बगीचा30 मन्दिर लम्बाचौड़ा)

ताड़ के 10 भोमऊँचे वृक् (बगीचोंकी चारो दकनार पर) ों

बड़े दहोंडोले(10 भोम ऊँचे, प्रत्येकबगीचे की चारो ोंदिशाओ ोंमे)

नहर (भोमभरगहरी)

पुल (नहर के मध्य मे)

ताड़ वन की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

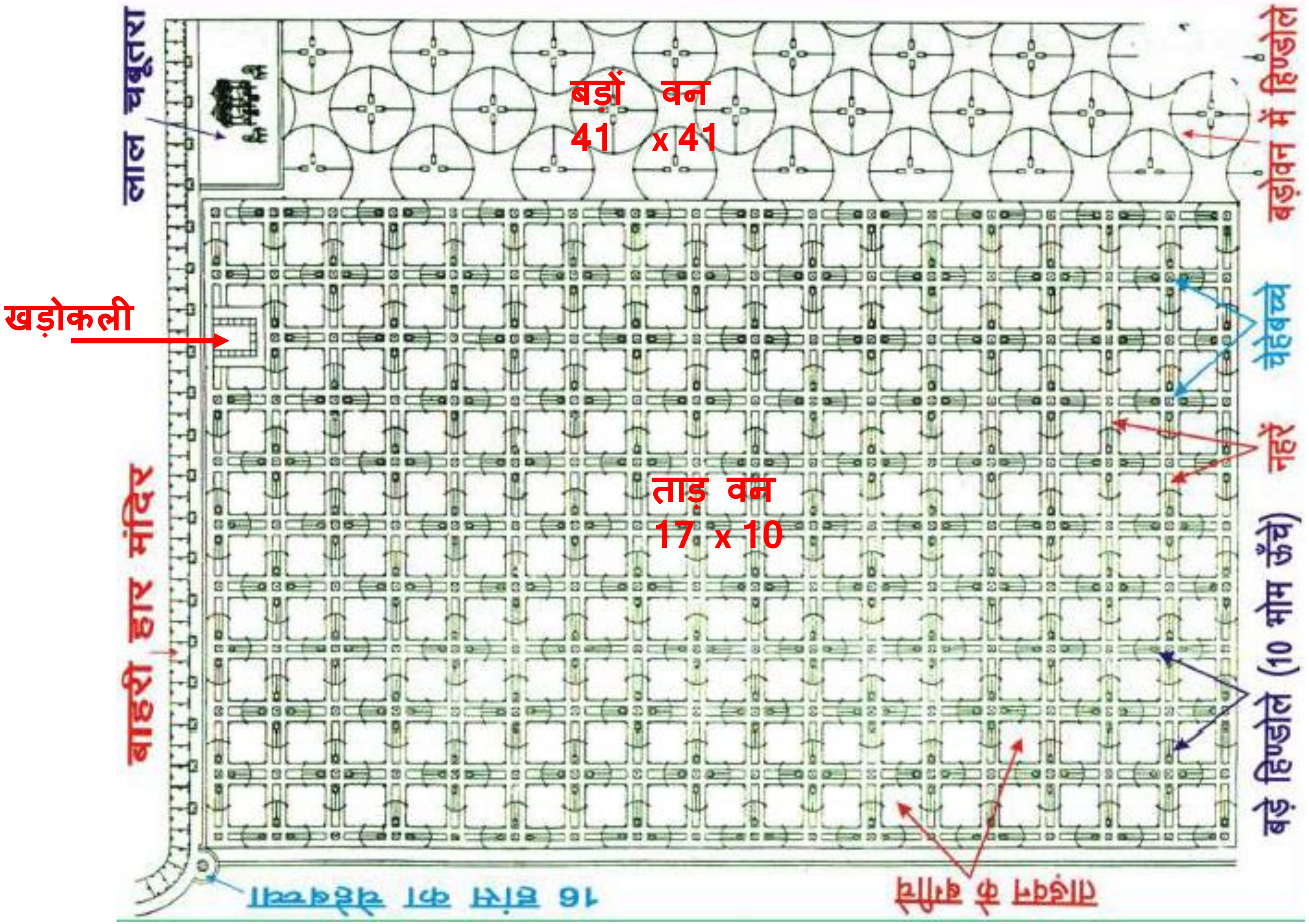

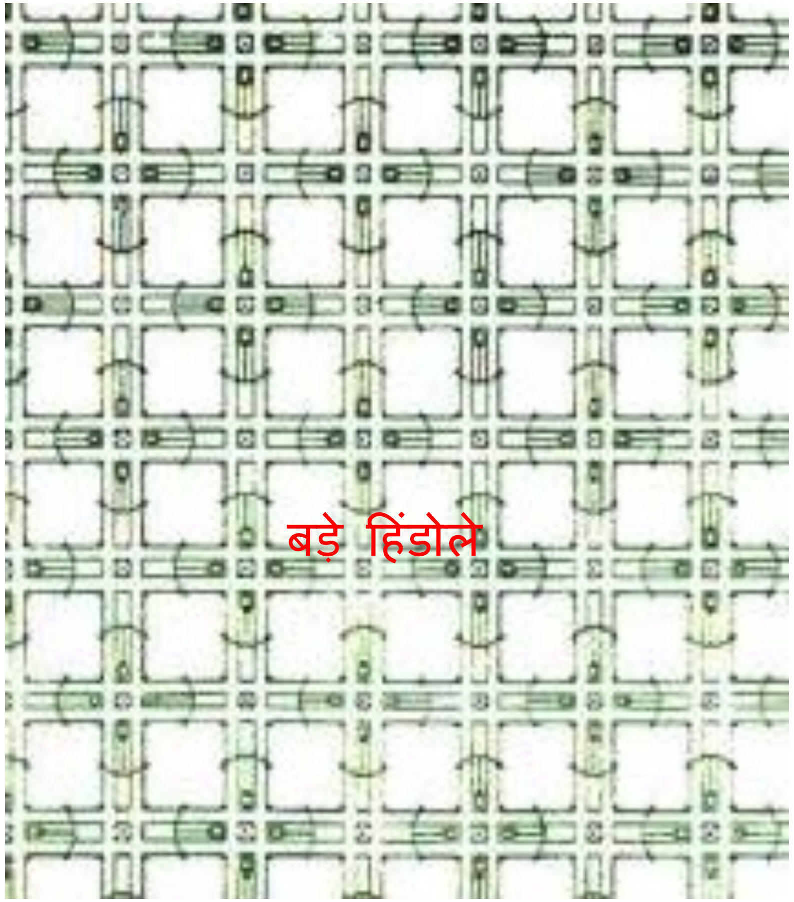

ताड़ वन – 1 बगीचे की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

बड़ा हिंडोला
खटछप्पर
के

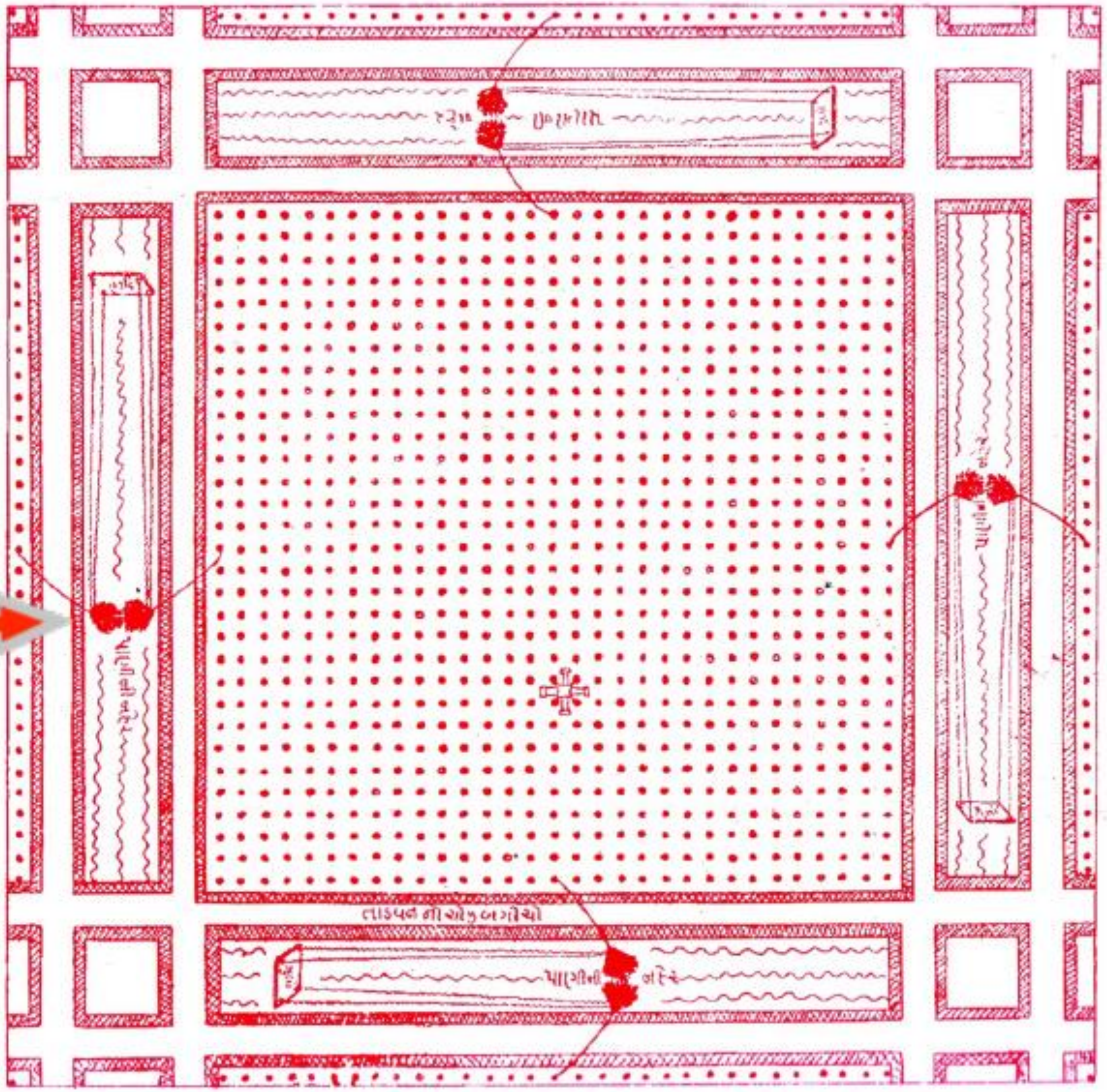

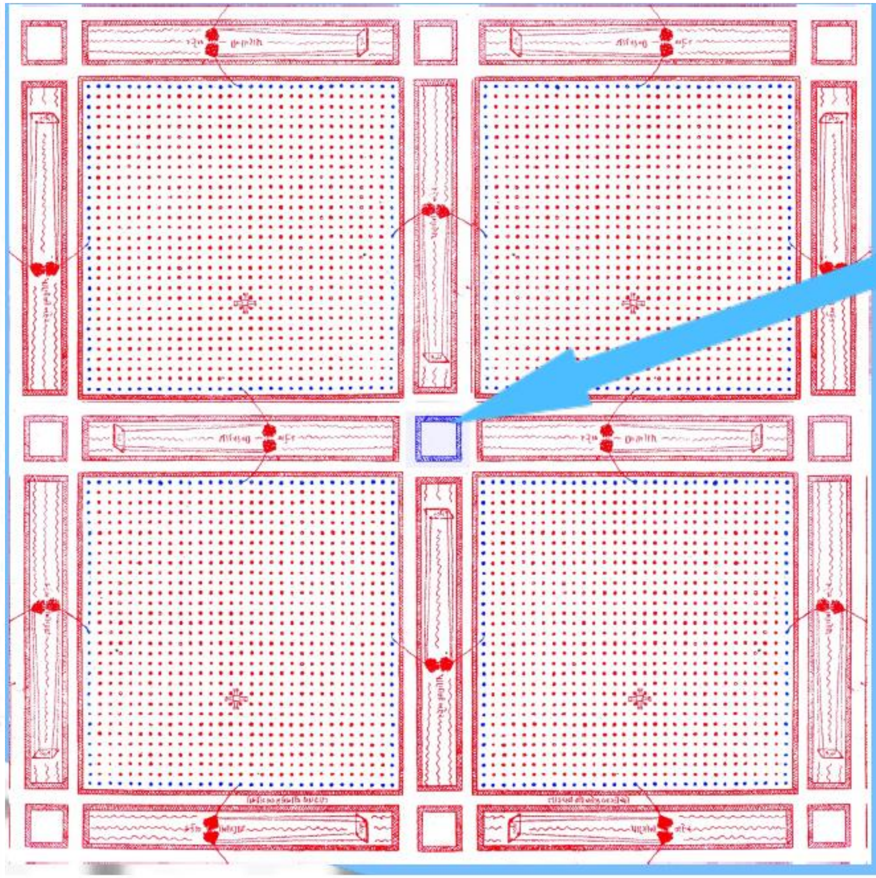

4 हिंडोलो
की ताली
चेहबच्चे पर
पड़ती है

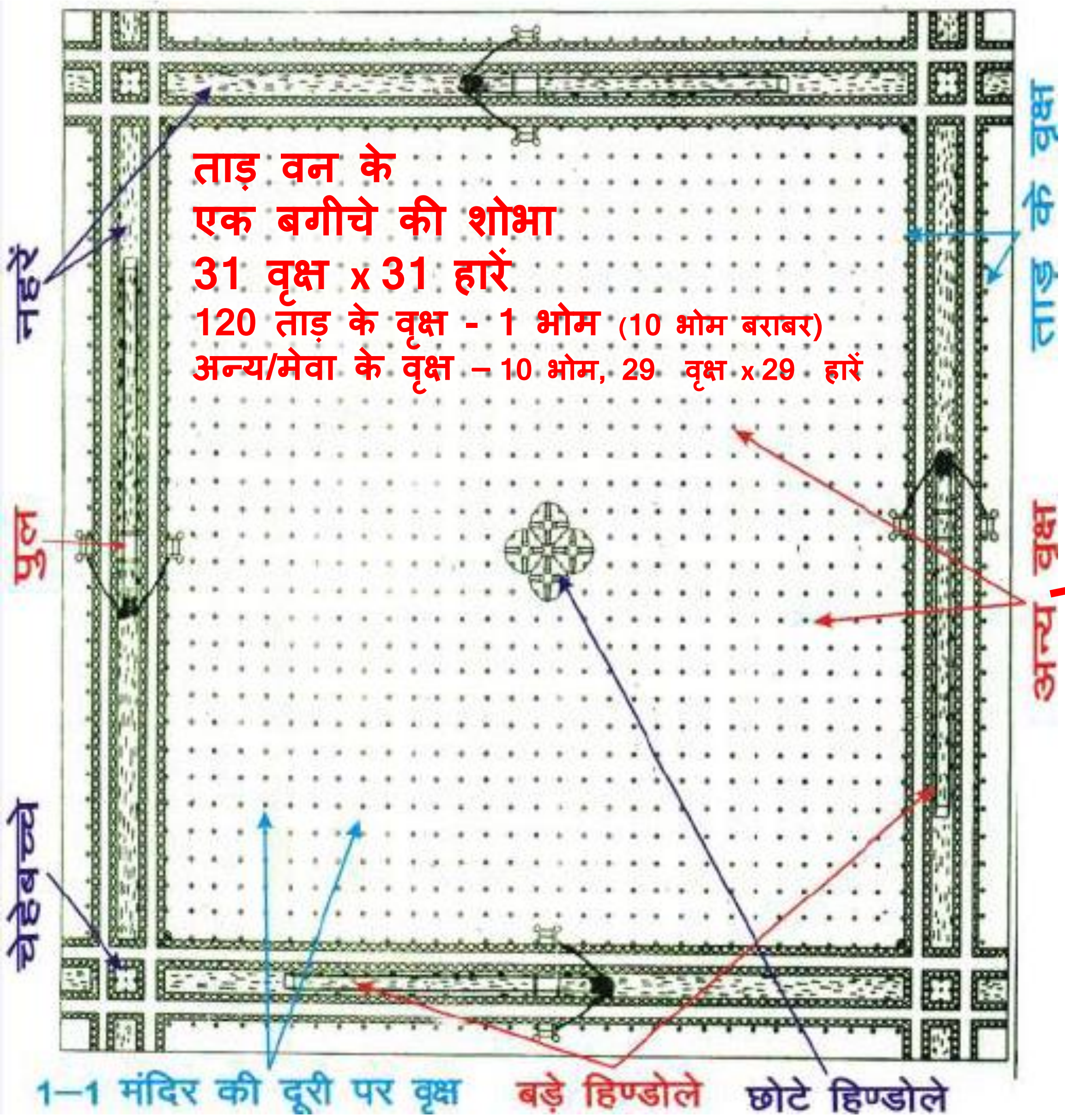
ताड़ वन के
एक बगीचे की शोभा
31 वृक्ष x 31 हारें
120 ताड़ के वृक्ष - 1 भोम (10 भोम बराबर)
अन्य/मेवा के वृक्ष – 10 भोम, 29 वृक्ष x 29 हारें
नहरें
पुल
चेहबच्चे
ताड़ के वृक्ष
अन्य वृक्ष
1–1 मंदिर की दूरी पर वृक्ष
बड़े हिण्डोले
छोटे हिण्डोले

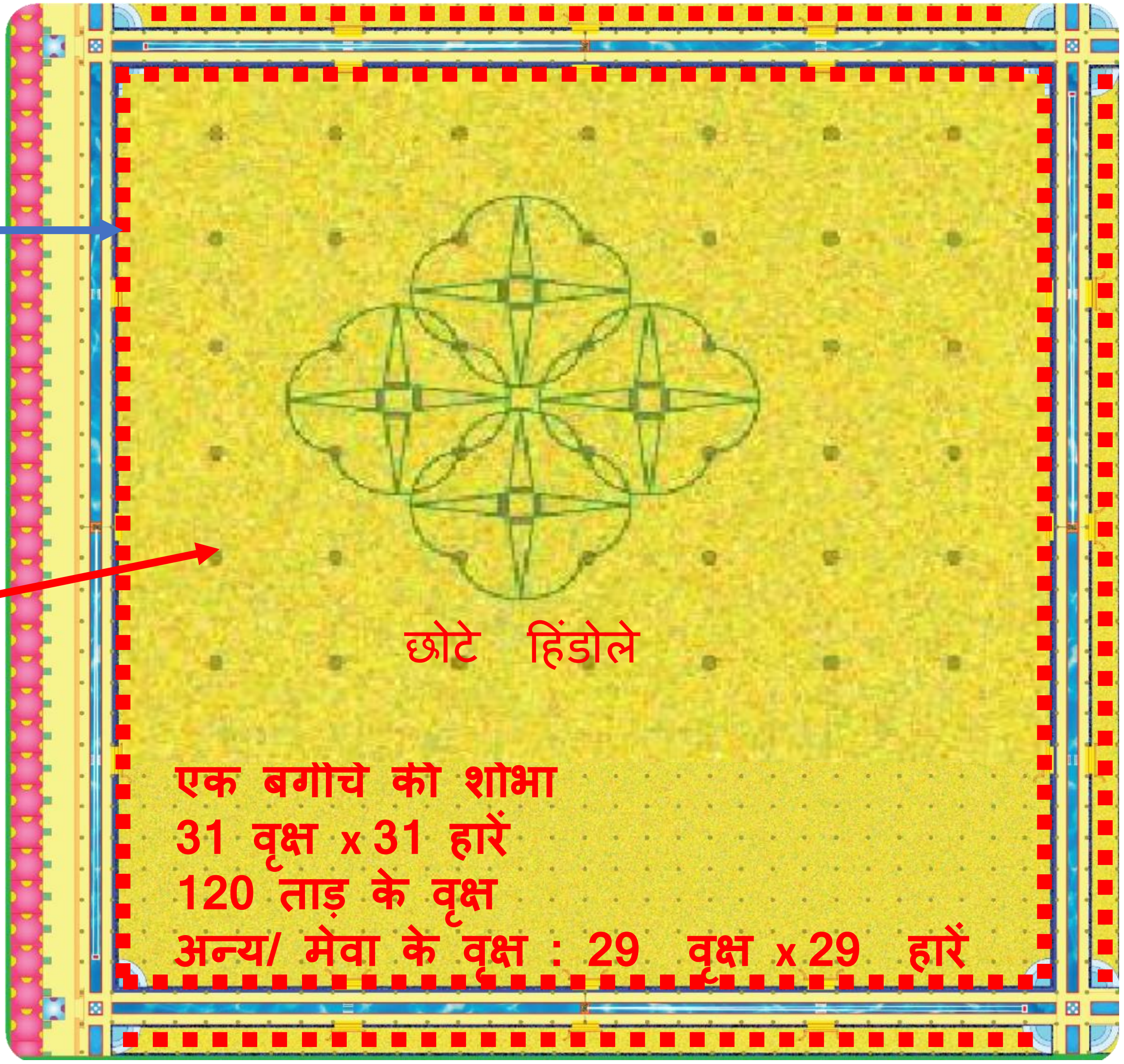
छोटे हिंडोले
एक बगीचे की शोभा
31 वृक्ष x 31 हारें
120 ताड़ के वृक्ष
अन्य/ मेवा के वृक्ष : 29 वृक्ष x 29 हारें

ताड़ वन – 1 बगीचे की शोभा

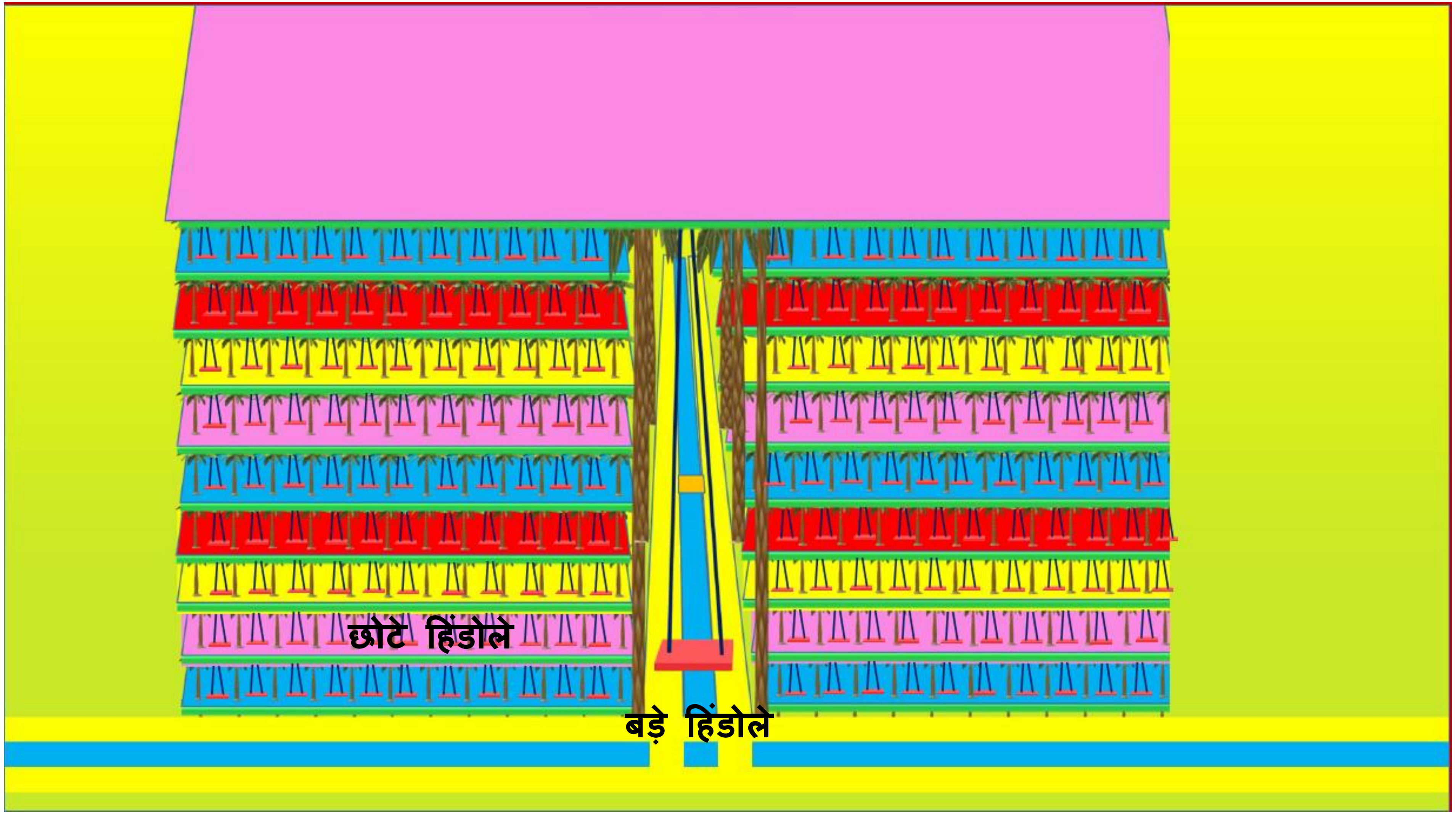

इत केतेक बन में हिंडोले, ए जो रूहें लेत इत सुख ।
लिबोई घाट इत आए मिल्या, सो सोभा क्यों कहूं या मुख ॥६२॥

हिंडोले इन बन के, ए बन बड़ा विस्तार ।
इन आगूं घाट केल का, और बड़ा बन तिन पार ॥६३॥

ताड़ वन की हिंडोले की शोभा

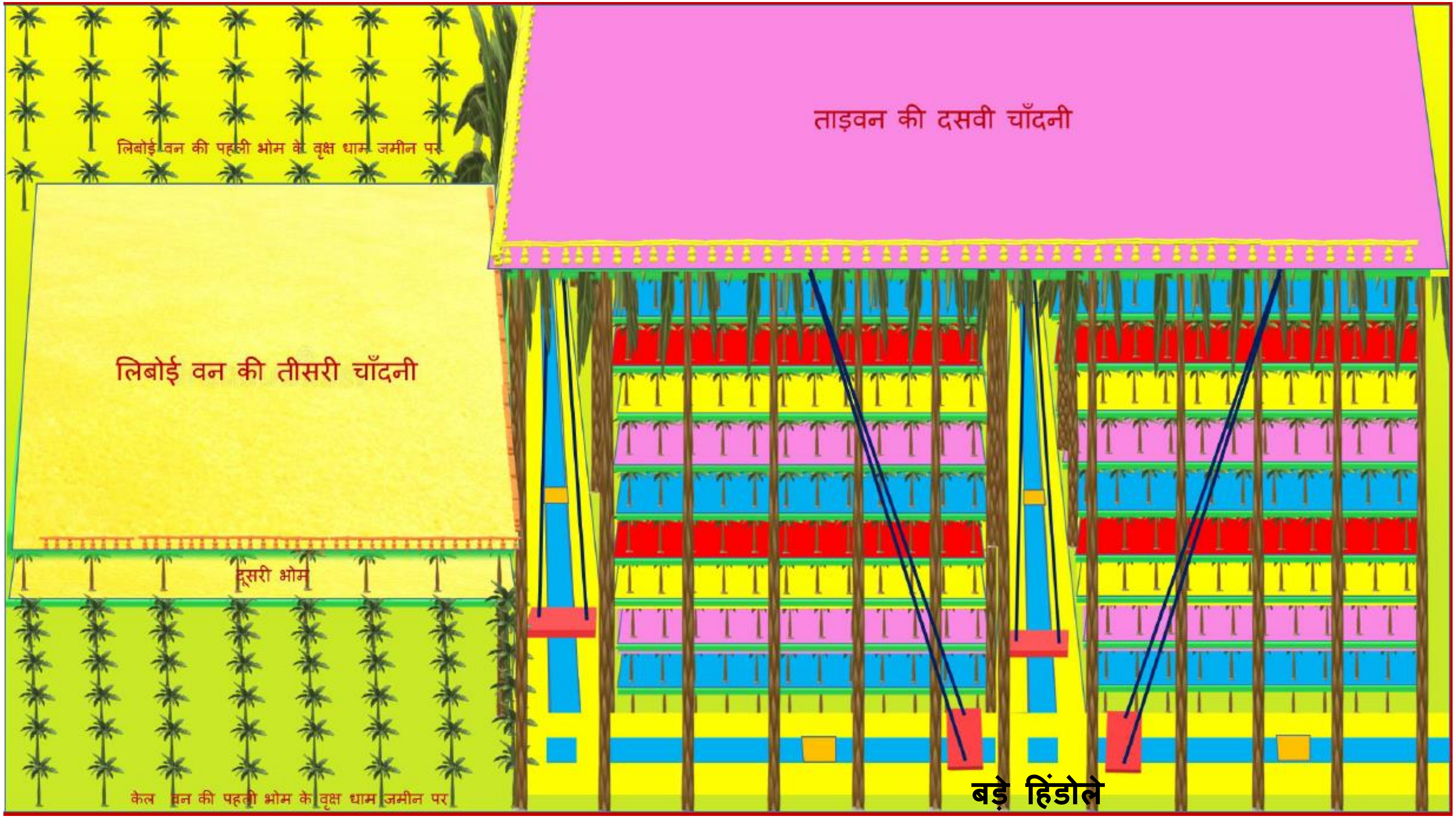

ताड़ वन की लीला

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

ऐ बन लगा जाये के , चाँदनी के मुकाबिल ।
धाम चाँदनी ताड़वन की , एक हुई देखो दिल निरमल ।।

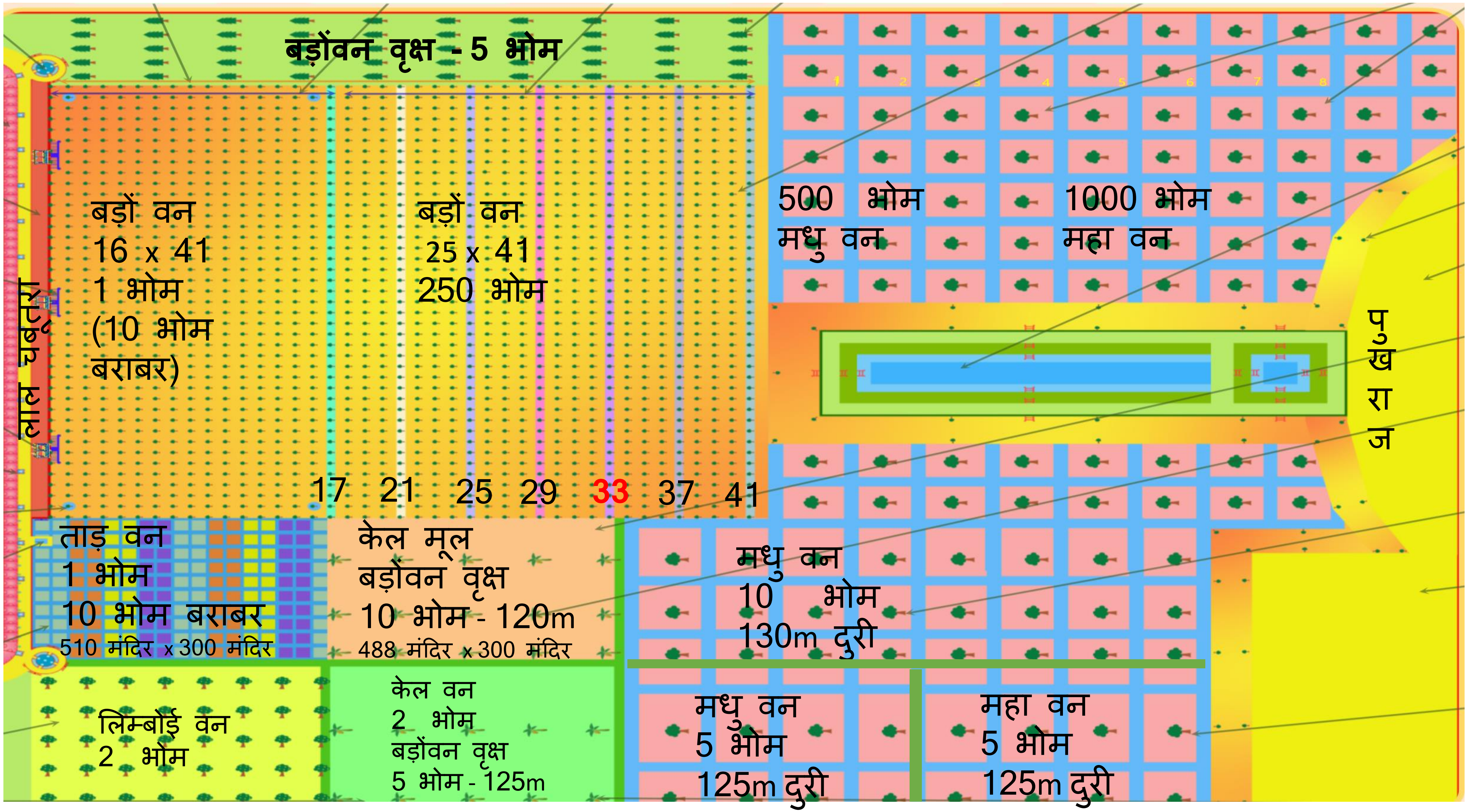
बड़ोंवन वृक्ष - 5 भोम
बड़ों वन
16 x 41
1 भोम
(10 भोम
बराबर)
बड़ों वन
25 x 41
250 भोम
500 भोम
मधु वन
1000 भोम
महा वन
लाल चबूतरा
पुखराज
17 21 25 29 33 37 41
ताड़ वन
1 भोम
10 भोम बराबर
510 मंदिर x 300 मंदिर
केल मूल
बड़ोंवन वृक्ष
10 भोम - 120m
488 मंदिर x 300 मंदिर
मधु वन
10 भोम
130m दुरी
लिम्बोई वन
2 भोम
केल वन
2 भोम
बड़ोंवन वृक्ष
5 भोम - 125m
मधु वन
5 भोम
125m दुरी
महा वन
5 भोम
125m दुरी

केल मूल & बड़ों वन के 5 वृक्ष की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

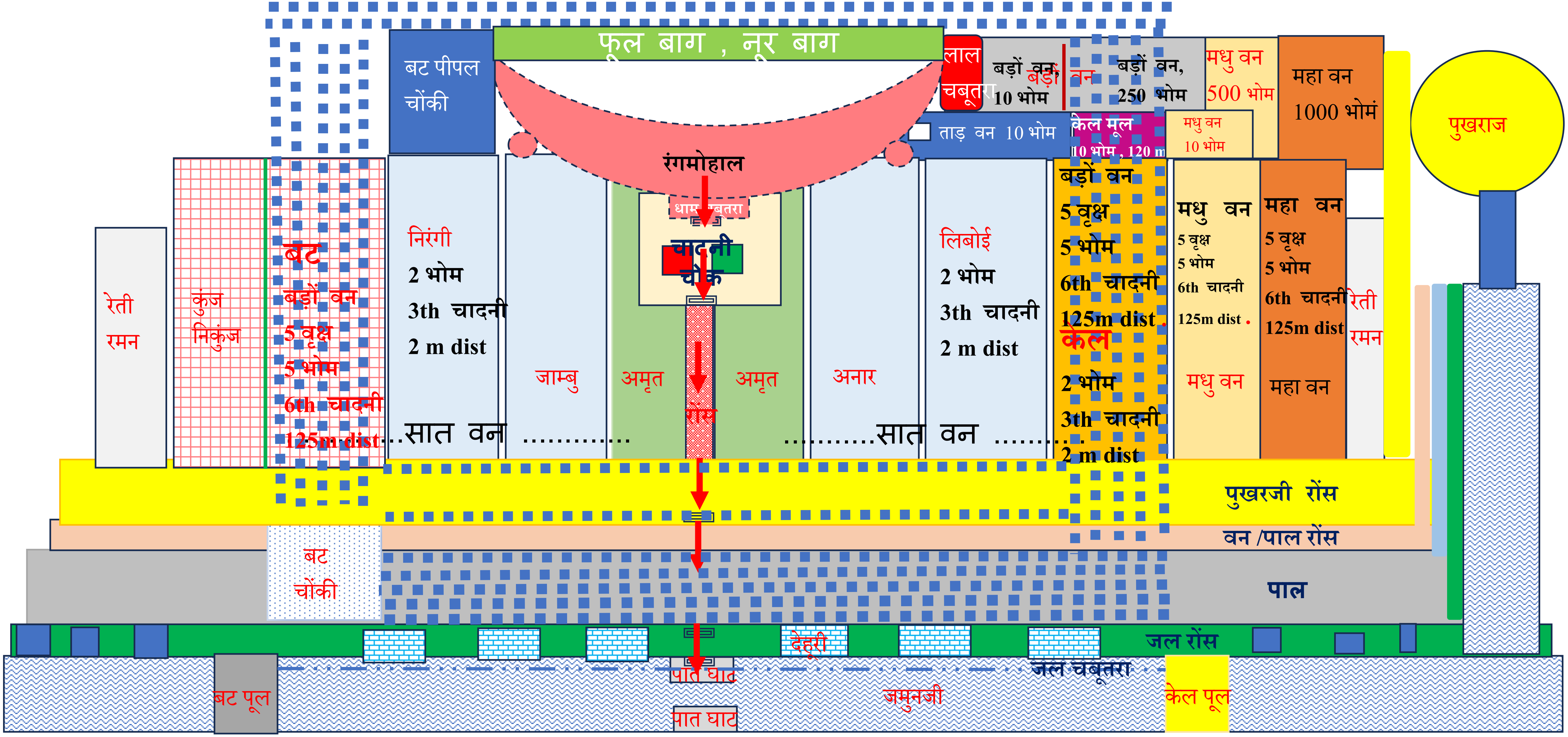

रंगमोहल नजदीक की चारों ओर की चादनी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

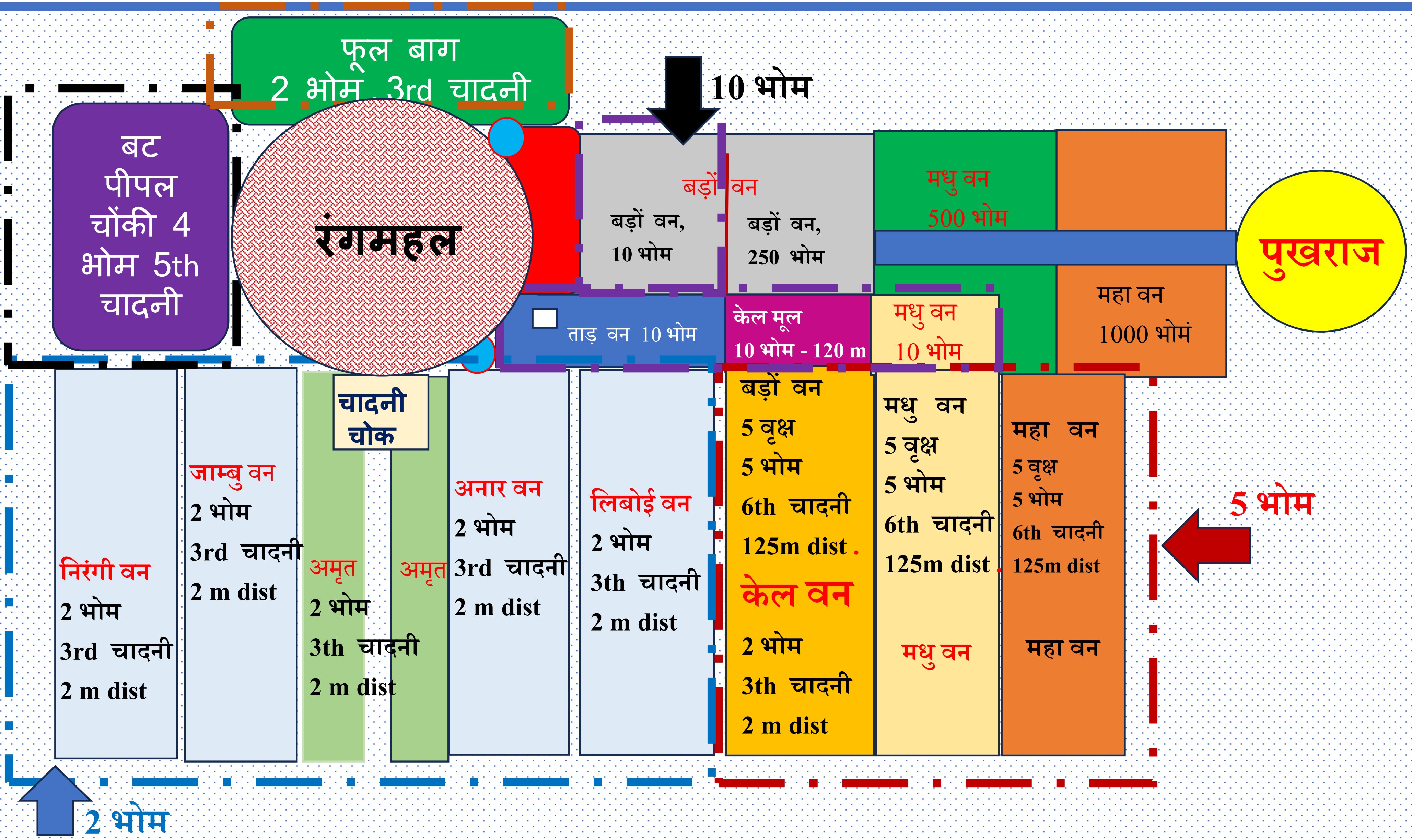

रंगमोहल नजदीक की चारों ओर की चादनी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

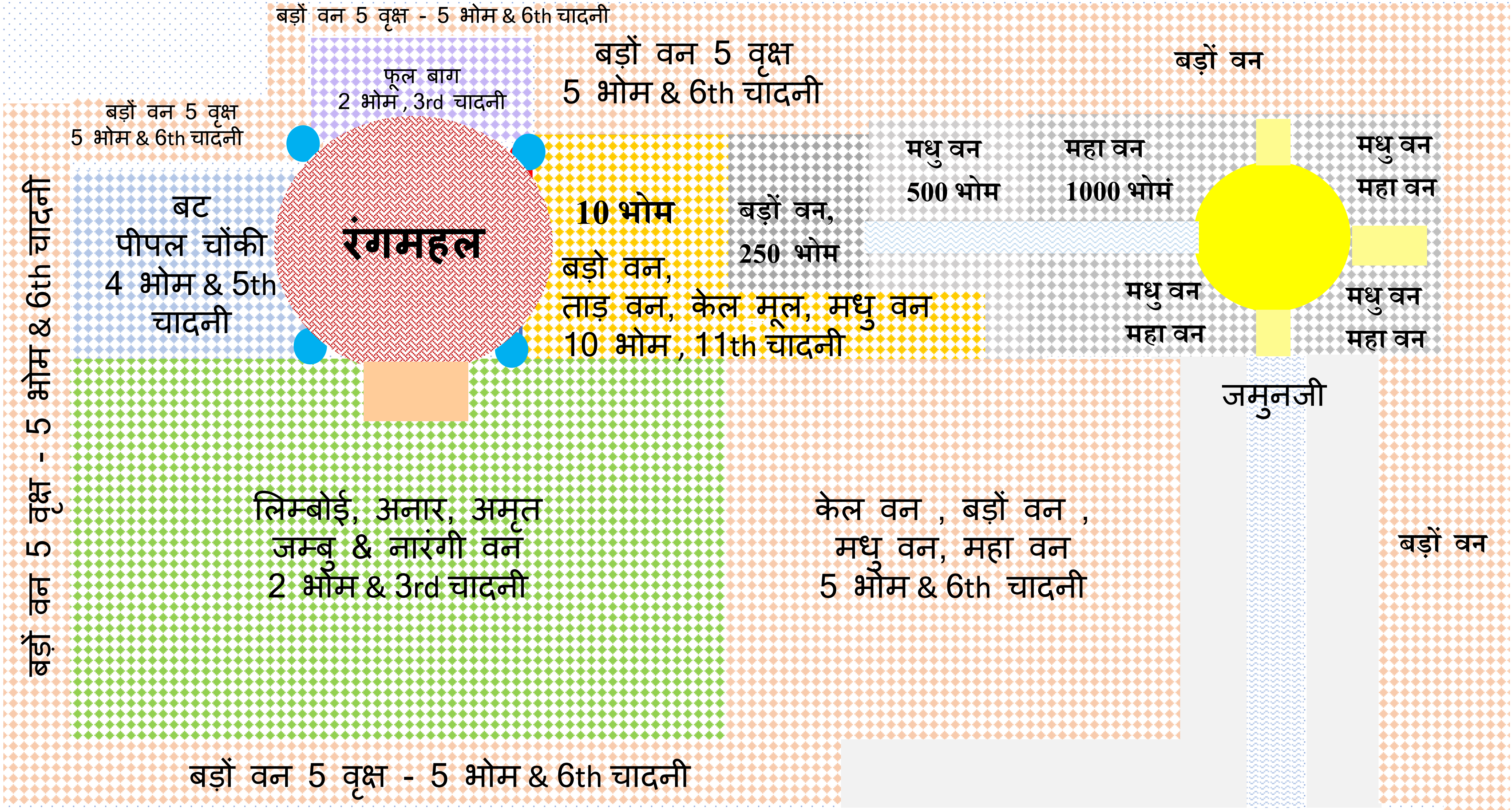

बड़ों वन , मधु वन & महा वन की शोभा

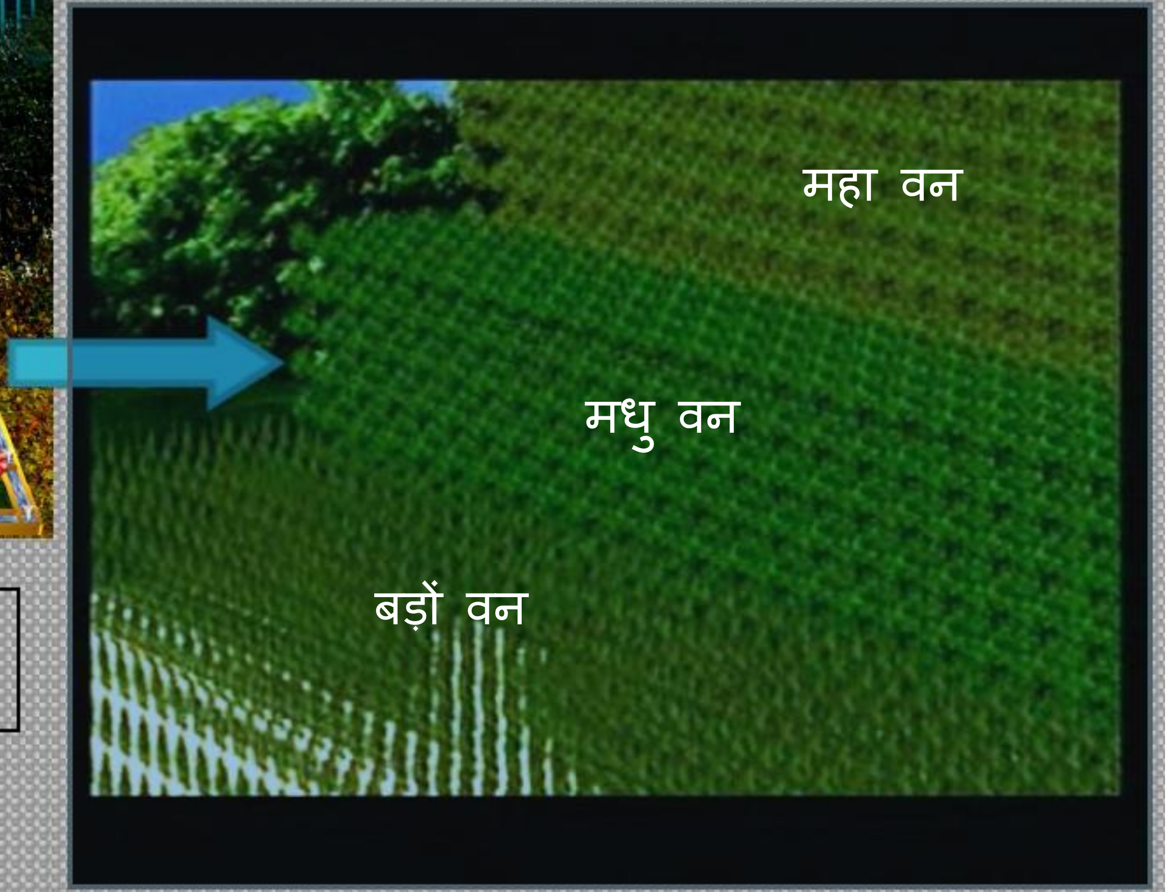

फेर कहूं सुख तले बन के, ए बन बड़ा विस्तार ।
भर चबूतरे आगूं चल्या, मिल्या मधुबन किनार ॥७८॥

बड़ों वन , मधु वन & महा वन की शोभा

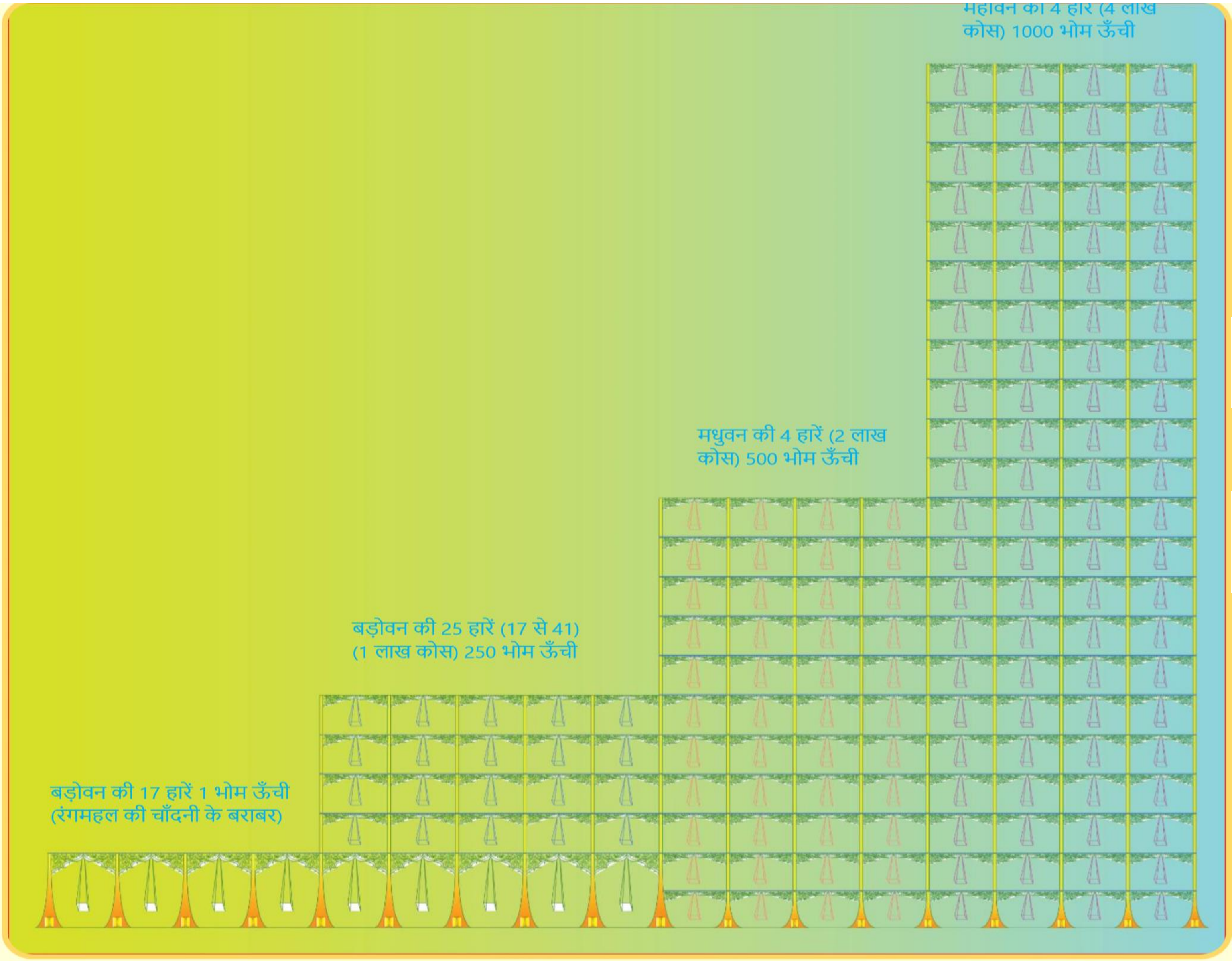

मधुवन की किन विध कहूँ , वन जाए लग्या आसमान ।
पुखराज अर्स के बीच में , ए सिफत न होए बयान ।।
कितने पेड़ जिमी पर , कई पेड़ पेड़ ऊपर ।
यों पेड़ पर पेड़ आसमान लों , कई सोभा देत सुंदर ।।
एक एक पेड़ पर कई भोमें , भोम भोम कई जुगत ।
पशु पंखी एक बिरिख पर , कई जुगतें बास बसत ।।

बड़ों वन , मधु वन & महा वन की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

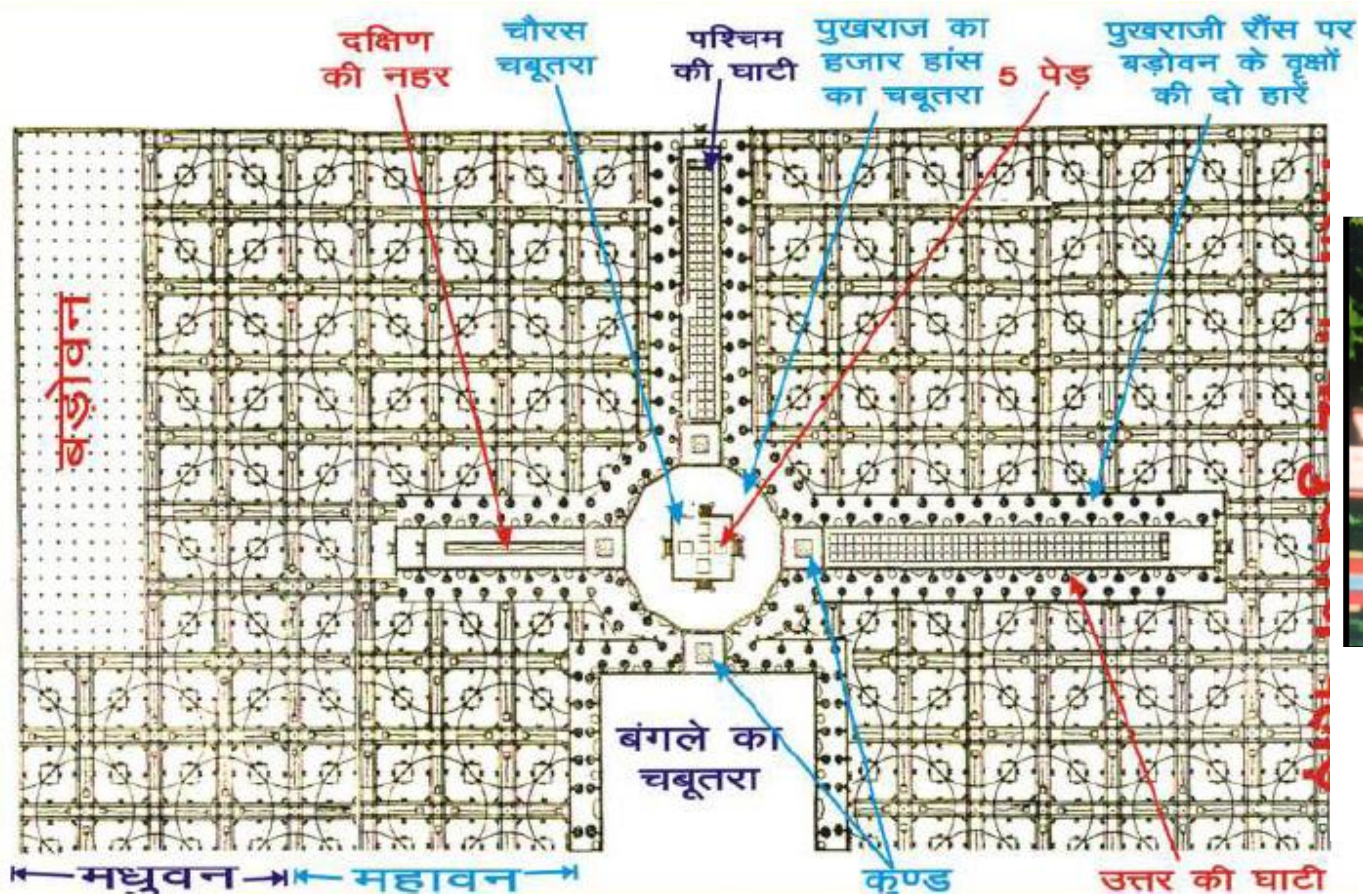

नहेरें, & चहबच्चे

बड़ों वन , मधु वन & महा वन की शोभा

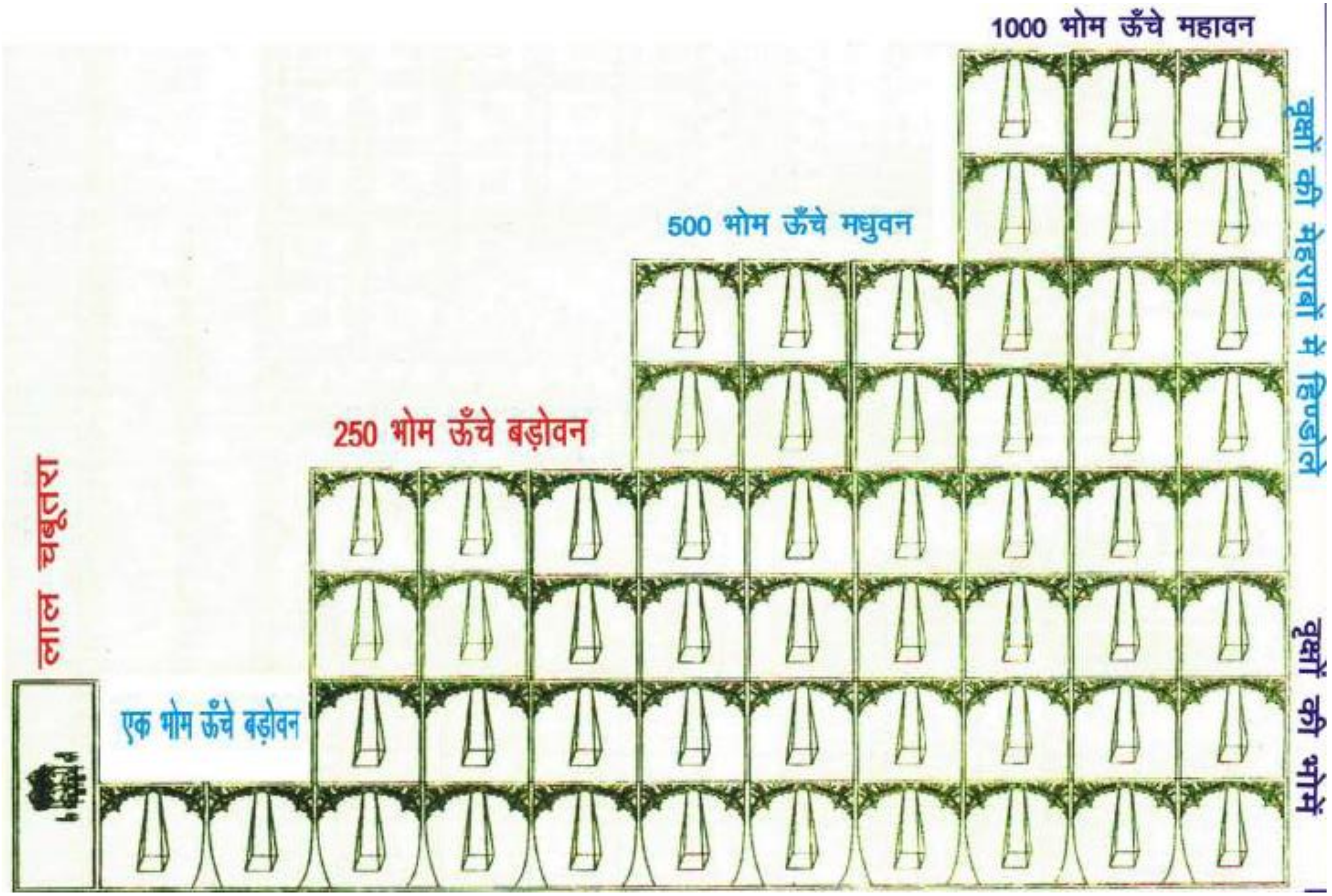

हिंडोले

बड़ों वन , मधु वन & महा वन की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

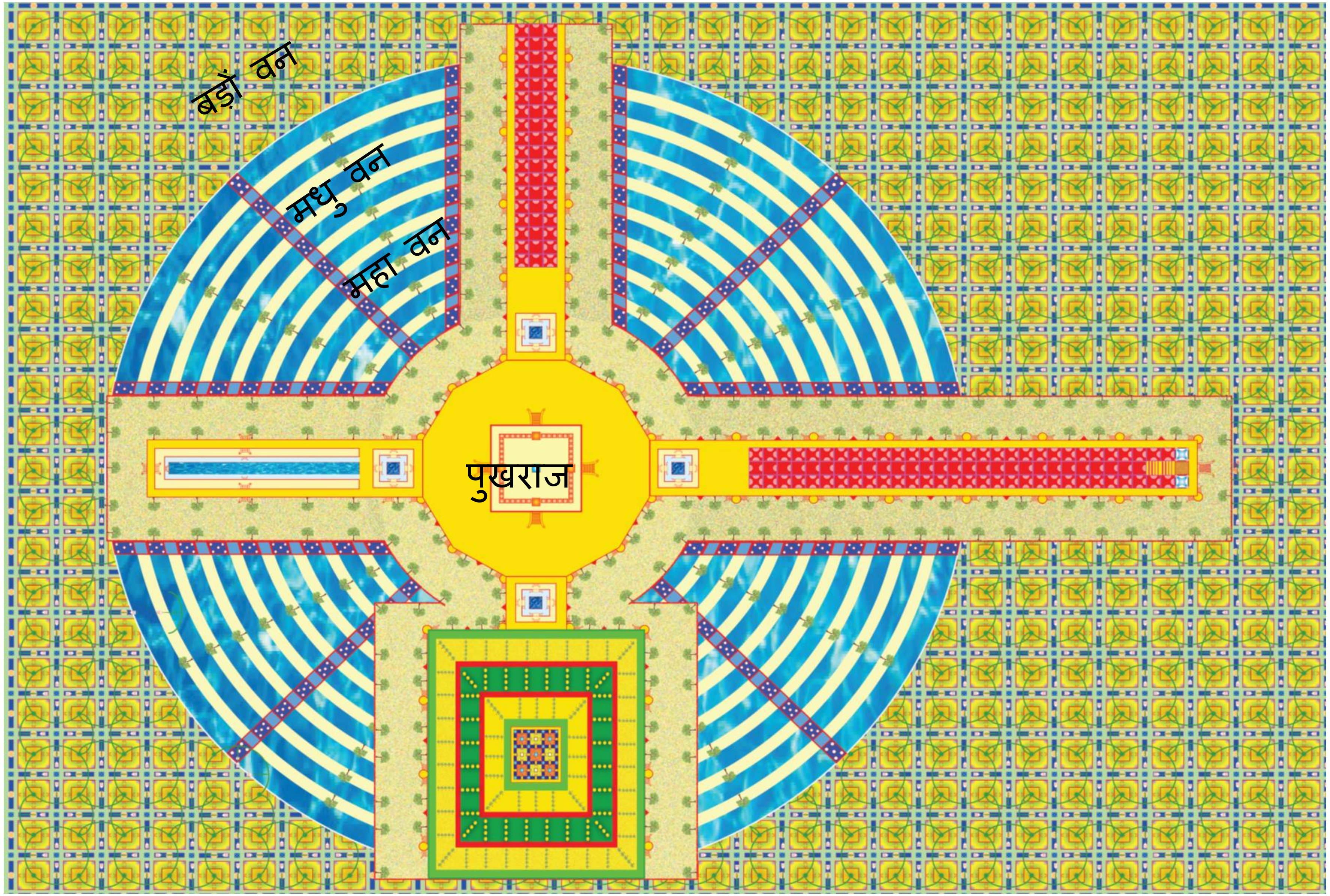

लाल चबूतरा, ताड़ वन, बड़ों वन, मधु वन, महा वन, केल मूल

Sahoor

OR

Quiz